www.bharatsamvad.in

सत्य का स्वर

भारत संवाद

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000kg

ऐप में पढ़े E-PAPER भारत संवाद

Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

2 कश्मीर को लेकर सतर्क रहें सरकार

पाकिस्तानी पीएम बोले - दुश्मन एक बूंद पानी नहीं छीन सकता२२ 06

वर्ष :17 | अंक :134 | प्रयागराज , गुरूवार 14 अगस्त , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1 : 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

हिमाचल प्रदेश में नहीं कम हुआ बारिश का प्रकोप, अलर्ट जारी, 328 सड़कें यातायात के लिए बंद

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने हिमाचल प्रदेश के लिए एक बार फिर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिसमें अगले तीन दिनों, मंगलवार से गुरुवार देर रात तक, भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान है। आईएमडी की नवीनतम जानकारी के अनुसार, मंगलवार को बिलासपुर, हमीरपुर, चंबा, कांगड़ा और मंडी ज़िलों में ऑरेंज अलर्ट लागू रहेगा, जबकि बुधवार को यह चेतावनी बिलासपुर, कांगड़ा, मंडी, शिमला और सिरमौर ज़िलों पर लागू होगी। मंगलवार को शिमला और सोलन ज़िलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट भी जारी किया गया है। हिमाचल प्रदेश में लगातार जारी बारिश के कारण दो राष्ट्रीय राजमार्गों सहित कुल 328 सड़कों को यातायात के लिए बंद करना पड़ा है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) के मुताबिक बुधवार सुबह वाहनों की आवाजाही के लिए बंद की गई सड़कों में औट-सैंज सड़क, जो राष्ट्रीय राजमार्ग-305 का हिस्सा है, और खाब से ग्रामफू (राष्ट्रीय राजमार्ग-505) तक की सड़क भी शामिल है। उसने बताया कि बंद की गई सड़कों में से 180 सड़कें मंडी जिले में और 74 निकटवर्ती कुल्लू जिले की हैं।

पुलिस वाहन की चपेट में आने से शौच के लिए गई महिला की मौत

उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में बुधवार तड़के शौच के लिए बाहर गई 34 वर्षीय महिला की कथित तौर पर एक अनियंत्रित पुलिस वाहन की चपेट में आने से मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। घटना मोहनगंज थाना क्षेत्र के चेतारा गांव के पास हुई। पुलिस के अनुसार, चेतारा निवासी अंजुम बानो (34) सुबह करीब चार बजे शौच के लिए बाहर गई थीं और सड़क किनारे बैठी थीं, तभी तेज रफ्तार पुलिस वाहन ने नियंत्रण खो दिया, उन्हें टक्कर मार दी और खाई में पलट गई। पुलिस ने बताया कि परिवार के सदस्य उन्हें तिलोई के रेफरल अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मोहनगंज के थाना प्रभारी राकेश कुमार ने कहा कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और कानूनी कार्रवाई की जा रही है। गौरतलब है कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत अमेठी जिले को खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ) घोषित किया गया है और दावा किया जाता है कि हर घर में शौचालय है।

मुख्यमंत्री ने किया तिरंगा यात्रा का नेतृत्व, युवाओं संग ली सेल्फी ,हाथ में तिरंगा लेकर लखनऊ की सड़कों पर उतरा भारत

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया हर घर तिरंगा अभियान (13-15 अगस्त) का शुभारंभ

तिरंगा यात्रा

▸▸आजादी के अमृत काल में हर भारतवासी के मन में अपने राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति श्रद्धा और भक्ति का भाव हो। इसके लिए पिछले 10 साल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तरफ से तिरंगा यात्रा हर घर पहुंच रही। यह महापुरुषों, वीर सैनिकों के प्रति कृतज्ञता भी है। यूपी में आज हर घर तिरंगा के साथ हम जुड़ रहे हैं।

एजेंसी

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश आजादी के 78वर्ष पूरे कर रहा है। आजादी के इस अमृतकाल में हर भारतीय के मन में संविधान, राष्ट्रीय प्रतीकों, राष्ट्रीयता, क्रांतिकारियों-महापुरुषों के प्रति श्रद्धा व सम्मान का भाव और प्रगाढ़ हो। यह हर जन, हर घर तक पहुंचे, प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी के आह्वान पर हर घर तिरंगा और तिरंगा यात्रा के माध्यम से इसे हम सभी देख रहे हैं। तिरंगा यात्रा केवल यात्रा नहीं, बल्कि भारत मां, महापुरुषों, क्रांतिकारियों और वीर सैनिकों के प्रति हमारी कृतज्ञता भी है। हर गांव, नगर, जनपद में तिरंगा यात्रा इसका उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। यूपी में भी हर घर तिरंगा, सेल्फी विद तिरंगा से जुड़ रहे हैं। देश और सैनिकों के सम्मान तथा आन-बान-शान का प्रतीक तिरंगा हर भारतीय के घर में लहराया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को हर घर तिरंगा अभियान (13-15 अगस्त) का शुभारंभ किया। राष्ट्रभक्ति के गीतों की धुनों के बीच मुख्यमंत्री ने तिरंगा यात्रा का नेतृत्व किया, फिर अपने आवास से यात्रा को रवाना किया। सीएम ने युवाओं का अभिनंदन करते हुए सभी को स्वतंत्रता दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं भी दीं। सीएम ने कहा कि सामाजिक एकता को छिन्न-भिन्न करने का कुत्सित प्रयास करने वालों तथा समाज, क्षेत्र, भाषा, जाति समेत अनेक वादों के नाम पर बांटने वाले तत्वों को बेनकाब करें। विकसित उत्तर प्रदेश-आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश को बनाएंगे जीवन का मंत्र सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी द्वारा दिया गया 2047 तक का विराट लक्ष्य विकसित भारत-आत्मनिर्भर भारत सभी के सामने है।

यूपी विधानसभा में पास हुआ बांके बिहारी मंदिर न्यास विधेयक

उत्तर प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के तीसरे दिन 'बांके बिहारी मंदिर न्यास विधेयक' पेश किया गया और पारित कर दिया गया। इसका उद्देश्य ऐतिहासिक मंदिर के प्रबंधन को संस्थागत रूप देना और उसकी सदियों पुरानी परंपराओं को संरक्षित करना है। सरकार का कहना है कि नया न्यास संत-स्वामी हरिदास द्वारा स्थापित परंपराओं की रक्षा करते हुए श्रद्धालुओं के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएँ सुनिश्चित करेगा। विधेयक के अलावा, 13 अगस्त को सुबह 11 बजे 'विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश' विजन डॉक्यूमेंट 2047 पर 24 घंटे की चर्चा शुरू हुई, जिसमें सरकार विभागीय उपलब्धियों और विजन योजनाओं का विवरण प्रस्तुत कर रही है,

भारत के शौर्य, पराक्रम, सामर्थ्य और शक्ति को दुनिया ने देखा

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत के शौर्य, पराक्रम, सामर्थ्य और शक्ति को दुनिया ने देखा है। इसे लेकर जब दुनिया अचंभित है तो हर भारतीयों का दायित्व बनता है कि भारत का सम्मान ऊंचा बनाए रखें। सीएम ने अपील की कि 140 करोड़ भारतवासी स्वयं के स्वार्थों की तिलांजलि देकर राष्ट्रमाता के चरणों में समर्पित होकर तिरंगा को हर घर पर लगाकर देश की आजादी के इस समारोह में भागीदार बनें।

मेरी जान को खतरा है : कोर्ट में बोले राहुल

राहुल गांधी ने पुणे कोर्ट में डाली अर्जी, महात्मा गांधी की भी हत्या का है जिक्र

"कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को पुणे की एक अदालत को सूचित किया कि उनके हालिया राजनीतिक संघर्षों और उनके खिलाफ मानहानि के मामले में शिकायतकर्ता सत्यकी सावरकर के वंश को देखते हुए उन्हें जान का खतरा है।

एजेंसी

पुणे की एक अदालत में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि उन्हें जान का खतरा है। यह खतरा उन्होंने सावरकर मानहानि केस को लेकर जताया है। उन्होंने कहा- मेरे खिलाफ मानहानि की शिकायत करने वाले नाथूराम गोडसे के वंशज हैं। राहुल गांधी ने एमपी/एमएलए स्पेशल कोर्ट से अपील की है कि उनकी सुरक्षा और केस की निष्पक्ष सुनवाई के लिए प्रिवेंटिव प्रोटेक्शन दी जाए। यह राज्य की संवैधानिक जिम्मेदारी है। कोर्ट इस मामले की अगली सुनवाई 10 सितंबर को करेगी ।राहुल के वकील मिलिंद पवार ने कोर्ट में लिखित सूचना देकर कहा कि वोट चोरी का मामला उजागर करने के बाद राहुल गांधी को खतरा बढ़ गया है ।मिलिंद ने बताया कि बीजेपी नेता आरएन बिट्टू ने राहुल को आतंकवादी कहा था, जबकि बीजेपी नेता तरविंदर मारवाह ने खुली धमकी दी कि अगर राहुल सही व्यवहार नहीं करेंगे तो उनका अंजाम उनकी दादी जैसा हो सकता है। शिकायतकर्ता सत्यकी का संबंध सावरकर और गोडसे परिवार से है। वह अपने प्रभाव का दुरुपयोग कर सकते हैं। याचिका में कहा गया- महात्मा गांधी की हत्या एक सोची-समझी साजिश थी और ऐसे पारिवारिक इतिहास को देखते हुए उन्हें नुकसान पहुंचने या गलत तरीके से फंसाए जाने का खतरा है।

राहुल गांधी ने कहा था कि सच्चा हिंदू कभी हिंसक नहीं होता, नफरत नहीं फैलाता। बीजेपी नफरत और हिंसा फैलाती है। इस बयान के बाद बीजेपी नेताओं ने उन पर हिंदू समुदाय का अपमान करने का आरोप लगाया। इसी मामले में 3 जुलाई को पुणे के एमपी-एमएलए कोर्ट ने सावरकर के पोते सत्यकी सावरकर की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने राहुल गांधी से वह पुस्तक दिखाने की मांग की थी, जिसमें उन्होंने सावरकर के खिलाफ कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणी की थी।

लंदन में कहा था- सावरकर ने मुस्लिम को पीटा था

मार्च 2023 में राहुल गांधी ने लंदन में एक भाषण में दावा किया था कि वीडी सावरकर ने एक किताब में लिखा था कि उन्होंने और उनके पांच से छह दोस्तों ने एक बार एक मुस्लिम व्यक्ति की पिटाई की थी और उन्हें इससे खुशी हुई थी। इस भाषण का हवाला देते हुए सत्यकी सावरकर ने गांधी के खिलाफ मानहानि का केस दर्ज कराया है।

भाजपा की कठपुतली बन गया है चुनाव आयोग

वोट चोरी के खिलाफ जयपुर में कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

"विरोध मार्च के दौरान गहलोत ने एएनआई से कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, शरद पवार, अखिलेश यादव, इन सभी लोगों ने दिल्ली में विरोध प्रदर्शन के जरिए पूरे देश में यह संदेश दिया है कि वोट चोरी हो रहे हैं। राहुल गांधी ने भी आँकड़े दिए हैं, और चुनाव आयोग उनसे हलफनामा मांग रहा है। हमने ऐसा पहली बार देखा है।

एजेंसी

कांग्रेस ने बुधवार को राजस्थान के जयपुर में वोट चोरी के खिलाफ एक विशाल विरोध प्रदर्शन किया। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट समेत राज्य में पार्टी के शीर्ष नेताओं ने इस रैली में हिस्सा लिया। गहलोत ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से उनके वोट चोरी के आरोप की जाँच के लिए हलफनामा मांगने पर चुनाव आयोग की आलोचना की। विरोध मार्च के दौरान गहलोत ने एएनआई से कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, शरद पवार, अखिलेश यादव, इन सभी लोगों ने दिल्ली में विरोध प्रदर्शन के जरिए पूरे देश में यह संदेश दिया है कि वोट चोरी हो रहे हैं। राहुल गांधी ने भी आँकड़े दिए हैं, और चुनाव आयोग उनसे हलफनामा मांग रहा है। हमने ऐसा पहली बार देखा है। गहलोत ने कहा कि जो हो रहा है वह लोकतंत्र के लिए खतरनाक है... बिहार में 60 लाख वोट काटे गए, लेकिन एक भी वोट नहीं जोड़ा गया... इसके खिलाफ प्रदेश कांग्रेस कमेटी विरोध प्रदर्शन कर रही है, जिसमें सभी लोग भाग ले रहे हैं। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने आरोप लगाया कि देश की संवैधानिक संस्थाओं को खोखला करने की कोशिश की जा रही है।

पहले 7 पेपर थे, अब तो 11 में कोई एक कागज मांगे रहे

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार एसआईआर को वोटर फ्रेंडली बताया

एजेंसी

"याचिकाकताओं का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) पर नागरिकता प्रमाण पर अपना रुख पलटने का आरोप लगाया। सिंघवी ने कहा कि ईसीआई नागरिकता प्रमाण पर पूरी तरह से पलट गया है। किसी को आपत्तिकर्ता बनना होगा और कहना होगा कि अमुक व्यक्ति नागरिक नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को ₹मतदाता-अनुकूल बताया और स्वीकार्य पहचान दस्तावेजों की संख्या में विस्तार पर जोर दिया और आधार को शामिल न करने की चिंताओं को खारिज कर दिया। अदालत ने यह भी जाँच की कि क्या वैधानिक प्रपत्र को समाहित करने वाले गणना प्रपत्र को विरोधाभासी या अधिक समावेशी माना जा सकता है। पीठ ने पूछा कि यदि कोई गणना प्रपत्र वैधानिक प्रपत्र को अपने दायरे में ले लेता है, तो क्या यह उल्लंघन होगा या अधिक समावेशी अनुपालन होगा? याचिकाकताओं का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) पर नागरिकता प्रमाण पर अपना रुख पलटने का आरोप लगाया। सिंघवी ने कहा कि ईसीआई नागरिकता प्रमाण पर पूरी तरह से पलट गया है। किसी को आपत्तिकर्ता बनना होगा और कहना होगा कि अमुक व्यक्ति नागरिक नहीं है। फिर ईआरओ नोटिस जारी करता है और मुझे जवाब देने का समय देता है।

भारतीय नागरिक बनने से पहले ही सोनिया गांधी बन गई थीं वोटर

अमित मालवीय का बड़ा दावा

अमित मालवीय ने आगे कहा कि उनका नाम पहली बार 1980 में मतदाता सूची में आया था – उनके भारतीय नागरिक बनने से तीन साल पहले और उनके पास अभी भी इतालवी नागरिकता थी। उस समय, गांधी परिवार 1, सफदरजंग रोड पर रहता था, जो प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का आधिकारिक निवास था।

एजेंसी

कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी चुनाव आयोग (ईसी) द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर सवाल उठा रहे हैं। वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पलटवार करते हुए बताया है कि कैसे उनकी माँ और कांग्रेस नेता सोनिया गांधी का नाम भारतीय नागरिक बनने से पहले ही इस सूची में जोड़ दिया गया। भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारत की मतदाता सूची के साथ सोनिया गांधी का रिश्ता चुनावी कानूनों के घोर उल्लंघनों से भरा हुआ है।

हैदराबाद में स्वतंत्रता दिवस और जन्माष्टमी पर मांस बिक्री पर लगा बैन

ओवैसी बोले- हम क्या खाते हैं ये हमारी आजादी है

▸▸जीएचएमसी आयुक्त आरवी कर्णन ने जीएचएमसी अधिनियम, 1955 की धारा 533(बी) के तहत जारी किया और हैदराबाद, साइबराबाद और राचकोंडा के पुलिस आयुक्तों को प्रवर्तन सहयोग के लिए सूचित किया।

एजेंसी

ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने स्वतंत्रता दिवस और जन्माष्टमी के अवसर पर 15 और 16 अगस्त को अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी पशु वधशालाओं और खुदरा गोमांस की दुकानों को बंद रखने का आदेश जारी किया है। यह निर्देश जीएचएमसी आयुक्त आरवी कर्णन ने जीएचएमसी अधिनियम, 1955 की धारा 533(बी) के तहत जारी किया और हैदराबाद, साइबराबाद और राचकोंडा के पुलिस आयुक्तों को प्रवर्तन सहयोग के लिए सूचित किया।

कानूनी और राजनीतिक विवाद

तेलंगाना उच्च न्यायालय में दायर एक याचिका में तर्क दिया गया है कि जीएचएमसी अधिनियम की धारा 533(बी) आयुक्त को बिना किसी विशिष्ट कारण बताए पूरी तरह से व्यावसायिक बंदी लागू करने का स्पष्ट अधिकार नहीं देती है। न्यायालय ने जीएचएमसी को अपने आदेश का कानूनी आधार स्पष्ट करने का निर्देश दिया है, जिसमें संविधान के अनुच्छेद 14 और 19(1)(जी) तथा व्यापार एवं आजीविका के अधिकार के संभावित उल्लंघनों का उल्लेख किया गया है।

राजनीतिक आलोचना

इस निर्देश की हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी सहित कई राजनीतिक नेताओं ने आलोचना की है।

कौन बनेगा करोड़पति एपिसोड विवाद में घिरा

शो में महिला सैन्य अधिकारियों की वर्दी में मौजूदगी पर उठे सवाल

➡ देखा जाये तो यह विवाद सिर्फ एक टीवी उपस्थिति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दो बड़े मुद्दों को छूता है। सवाल उठता है कि क्या वदीर्धारी अधिकारियों को मनोरंजन कार्यक्रमों में शामिल होना चाहिए, विशेषकर जब उसमें संवेदनशील सैन्य अभियानों की चर्चा हो?

एजेंसी

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लोकप्रिय टीवी क्विज शो कौन बनेगा करोड़पति में तीन महिला सैन्य अधिकारियों– कर्नल सोफिया कुरैशी, विंग कमांडर व्योमिका सिंह और मेजर प्रेरणा देवस्थली की उपस्थिति को लेकर विपक्ष ने गंभीर आपत्तियां दर्ज कराई हैं। केरल कांग्रेस ने एक्स पर कहा कि किसी गंभीर और पेशेवर सैन्य परंपरा वाले देश में यह कल्पना भी नहीं की जा सकती कि वदीर्धारी अधिकारी एक निजी मनोरंजन शो में वह भी पूरी वर्दी में, किसी फिल्म अभिनेता को किसी सैन्य अभियान की रणनीति समझाएं। पार्टी ने आरोप लगाया, तीन वदीर्धारी अधिकारी एक प्राइवेट एंटरटेनमेंट शो में बैठकर एक बॉलीवुड अभिनेता को ऑपरेशन की योजना समझा रहे हैं।

आरोप एसआईआर विवाद के बीच बीजेपी पर तेजस्वी का बड़ा आरोप

गुजरात के लोग बन रहे हैं बिहार के वोटर

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार को आरोप लगाया कि बिहार विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा का एक वरिष्ठ पदाधिकारी अपना मतदाता पंजीकरण कई राज्यों में स्थानांतरित कर रहा है। एक्स पर एक पोस्ट में, यादव ने दावा किया कि गुजरात निवासी और बिहार भाजपा के प्रदेश संगठन महासचिव भीखू भाई दलसानिया, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के करीबी विश्वासपात्र हैं, ने गुजरात की मतदाता सूची से अपना नाम हटाकर बिहार में मतदाता के रूप में पंजीकरण करा लिया है। तेजस्वी यादव ने लिखा कि यह भीखू भाई दलसानिया जी हैं। वे गुजरात के निवासी हैं। वे बिहार भाजपा के प्रदेश संगठन महासचिव हैं। वे प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के करीबी विश्वासपात्र हैं। उन्हें भाजपा के विशेष बिहार प्रोजेक्ट का काम सौंपा गया है। यादव ने दावा किया कि दलसानिया पहले अमित शाह के गांधीनगर निर्वाचन क्षेत्र में मतदान करते थे और बिहार चुनाव के बाद किसी अन्य राज्य में पंजीकरण करा सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि 2024 के लोकसभा चुनावों में उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह जी के लोकसभा क्षेत्र गांधीनगर में मतदान किया था। अब, बिहार विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही, उन्होंने गुजरात की मतदाता सूची से अपना नाम हटा लिया है और बिहार में मतदाता बन गए हैं। बिहार चुनाव समाप्त होने के बाद, वह संभवतः किसी अन्य राज्य में मतदाता बन जाएँगे। उन्हें स्पष्ट करना चाहिए कि वे पाँच वर्षों में कितनी बार और कितने राज्यों में मतदान करते हैं। यादव के अनुसार, बिहार की मतदाता सूची में दलसानिया का कोई पता या मकान नंबर नहीं है, और उनका नाम हिंदी के बजाय गुजराती भाषा में है, जिससे उनका दावा है कि हिंदी भाषी मतदाताओं के लिए पहचानना मुश्किल हो सकता है। उन्होंने कहा कि बिहार में जिस जगह वह मतदाता के रूप में पंजीकृत हैं, वहां मतदाता सूची में उनका कोई पता या मकान नंबर दर्ज नहीं है। बिहार की मतदाता सूची में उनका नाम हिंदी में नहीं, बल्कि गुजराती भाषा में लिखा है, ताकि कोई भी हिंदी भाषी इसे पढ़ न सके। चुनाव आयोग की महानता असीम है, लेकिन इस बार हम हर विवरण पर कड़ी नजर रख रहे हैं। हम बिहार में चुनाव आयोग की वोट चोरी को सफल नहीं होने देंगे। इससे पहले आज, यादव ने आरोप लगाया कि भारत का चुनाव आयोग भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर अपने नेताओं और कार्यकताओं को दो मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) नंबर जारी करके बिहार में मतदाता सूची में हेरफेर कर रहा है।

जब गुप्त मतदान से चुनाव होंगे तो तथाकथित चाणक्य पूरी तरह हार जाएंगे

कपिल सिब्बल का अमित शाह पर तंज

एजेंसी

नयी दिल्ली। राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा। उन्होंने हाल ही में संपन्न कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया (सीसीआई) के चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद राजीव प्रताप रूडी की जीत को लेकर शाह पर तंज कसा। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया कि जब चुनाव गुप्त मतदान से होते हैं, तो तथाकथित चाणक्य आसानी से हार जाते हैं। बिहार में, अगर चुनाव निष्पक्ष होता है, तो चाणक्य फिर से हार जाएँगे। रूडी ने 25 साल की सत्ता विरोधी लहर का सामना करने के बावजूद, कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया के सचिव (प्रशासन) के रूप में अपना पद बरकरार रखा और अपने साथी पार्टी सदस्य संजीव बालियान को हराया, जिन्हें केवल 290 वोट मिले। जश्न के बीच, भाजपा सांसद राजीव प्रताप रूडी ने अपनी जीत का श्रेय अपने पैनल को दिया और कहा कि मैं शायद 100 से ज्यादा वोटों से जीता हूँ। और अगर इसे 1000 मतदाताओं से गुणा किया जाए, तो यह संख्या 1 लाख हो जाती है।

○ रूडी ने 25 साल की सत्ता विरोधी लहर का सामना करने के बावजूद, कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया के सचिव (प्रशासन) के रूप में अपना पद बरकरार रखा और अपने साथी पार्टी सदस्य संजीव बालियान को हराया, जिन्हें केवल 290 वोट मिले।

सम्पादकीय

अंगदान अभियान की प्रतीक्षा करता देश, भारत में विश्वस्तरीय अंग प्रत्यारोपण सर्जन तो हैं, पर देश में अंगदान की दर दुनिया में सबसे कम

अंगदान केवल एक नैदानिक प्रक्रिया (क्लिनिकल ट्रायल) नहीं है। यह मानवता से जुड़ा सर्वोच्च काम है। एक अंगदाता अपना हृदय फेफड़े लिवर किडनी अग्नाशय (पैंक्रियाज) और ऊतक(टिश्यू) दान करके आठ लोगों की जान बचा सकता है।एक अंगदाता अनंत आशा का पर्याय है।दूसरों को जीवित रखने के लिए अपने अंगदान करना शायद सबसे यादगार विरासत है जो आसानी से अपने पीछे छोड़कर जाई जा सकती है। भारत ने पिछले दशक में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में शानदार प्रगति दर्ज की है और स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत किया है और मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम किया है। देश गैर-संक्रामक रोगों से निपटा है और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुंच को आगे बढ़ाया गया है, लेकिन जब अंग प्रत्यारोपण (आर्गन ट्रांसप्लांटेशन) की बात आती है, तो दुर्भाग्य से एक न दिखने वाला संकट हजारों लोगों की जान ले रहा है। अंगदान दिवस हमें याद दिलाता है कि हम बड़े पैमाने पर अंगदान की आवश्यकता को तत्काल पूरा करने के लिए कोई ठोस पहल करें। अंग प्रत्यारोपण के अभाव में जान गंवाने से बड़ी कोई त्रासदी नहीं है। अंगों की अनुपलब्धता के कारण हर साल देश में लगभग पांच लाख लोगों की जीवन रक्षक प्रत्यारोपण का इंतजार करते हुए मृत्यु हो जाती है। यह दुःखद है। प्रत्यारोपण के लिए अंग की कमी के कारण देश के तमाम लोगों को खोना हम रोक सकते हैं।हमारे पास चिकित्सा विशेषज्ञता है।हमें बस राष्ट्रीय स्तर पर अंगों की आपूर्ति और मांग के बीच के अंतर को पाटने के लिए एक सामूहिक इच्छाशक्ति चाहिए। भारत में मरीजों की आवश्यकताओं, अंगों की उपलब्धता और प्रत्यारोपण के बीच के अंतर से स्पष्ट है कि तुरंत बदलाव की जरूरत है। लगभग अंतिम चरण के गुर्दे (किडनी) की बीमारी वाले 2,00,000 मरीज, 50,000 गंभीर लिवर (यकृत) विफलता वाले मरीज और 50,000 गंभीर हृदय रोग वाले मरीजों को अपनी जान बचाने के लिए प्रत्यारोपण की आवश्यकता होती है।इसके विपरीत हर साल केवल लगभग 1,600 किडनी, 700 लिवर और 300 हृदय प्रत्यारोपित किए जाते हैं।हर दिन कम से कम 15 मरीज अंग के इंतजार में दम तोड़ देते हैं। हर 10 मिनट में प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा सूची में एक नया नाम जुड़ जाता है और हर एक की जान खतरे में होती है। अंतिम चरण की किडनी की बीमारी वाले पांच प्रतिशत से भी कम मरीजों को जीवन रक्षक किडनी का प्रत्यारोपण हासिल हो पाता है।हृदय और फेफड़ों के मरीजों की स्थिति और भी गंभीर है। भारत में विश्वस्तरीय अंग प्रत्यारोपण सर्जन तो हैं, लेकिन देश में अंगदान की दर दुनिया में सबसे कम है।प्रति 10 लाख जनसंख्या पर केवल 0.65 अंगदाता हैं।

आज का विचार

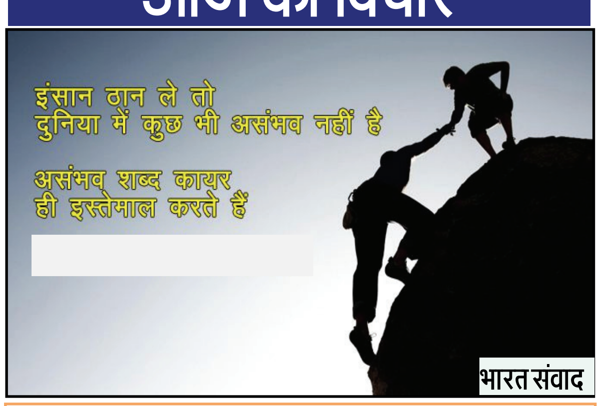

मेष राशि: दिन उत्तम रहने वाला है और बिजनेस में आपकी कोई बड़ी डील फाइनल हो सकती है, जिससे लाभ कमाने के नए अवसर प्राप्त होंगे। वहीं, समाज में भी मान-सम्मान प्राप्त होगा जिससे मन प्रसन्न रहेगा। भौतिक सुखों में वृद्धि होगी और आपको किसी कार्यक्रम में शामिल होने का मौका भी मिल सकता है।

वृषभ राशि: व्यापार के मामले में आप नई योजनाएं बना सकते हैं और कहीं यात्रा पर जाने का योग भी बन रहा है, जिससे आपको सुकून महसूस होगा। अगर आप किसी लंबे समय से किसी कानूनी विवाद में फंसे थे तो अब उसमें सफलता प्राप्त हो सकती है।

मिथुन राशि: आप रचनात्मक कार्यों में ज्यादा समय व्यतीत कर सकते हैं और इससे लाभ कमाने के अवसर भी प्राप्त हो सकते हैं।कार्यक्षेत्र में भी आप उसी प्रोजेक्ट पर काम कर सकते हैं, जिसमें आपको सबसे अधिक दिलचस्पी है।इससे मानसिक तनाव कम होगा और आप हर काम को पूरे उत्साह के साथ करेंगे।

कर्क राशि: कारोबार और व्यापार के मामले में दिन उत्तम रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आप जिस भी प्रोजेक्ट में पूरी मेहनत और लगन के साथ काम करेंगे उसमें सफलता जरूरी प्राप्त होगी। अगर लंबे समय से जरूरी काम अधूरे पड़े थे तो वे भी पूरे होने लगेंगे और कामकाज को लेकर मीटिंग भी हो सकती है।

सिंह राशि: कामकाज के सिलसिले में आप ज्यादा व्यस्त रह सकते हैं। वहीं, आपको कार्यक्षेत्र में अपने कुछ सीनियर और विरोधियों से सावधान रहने की जरूरत होगी।वरना ये आपके काम में रुकावट डालने का प्रयास कर सकते हैं।

कन्या राशि : कार्यक्षेत्र में विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।ऐसे में आपको कटु वाणी का प्रयोग करने से बचना होगा और संयम के साथ फैसले लेने होंगे। अपने आसपास चल रहे किसी भी विवाद से दूर रहना आपके लिए बेहतर रहेगा।

तुला राशि: दिन लाभदायक रहने वाला है। अगर कार्यक्षेत्र में लंबे समय से कामकाज को लेकर कोई समस्या या विवाद चल रहा था तो वह अब दूर हो सकता है। व्यापार में आपको कोई नया प्रोजेक्ट प्राप्त हो सकता है

वृश्चिक राशि: कारोबार के मामले में आपका दिन बेहद भाग्यशाली रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में दिनभर लाभ कमाने के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। लेकिन इसके लिए आपको प्रयास करते रहना होगा।

धनु राशि: कार्यक्षेत्र में आपको कोई भी काम पूरी सावधानी के साथ करना होगा, अन्यथा परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।बिजनेस के मामले में कुछ जोखिम भरे फैसले लेने से आपको भविष्य में बड़ा लाभ होने की संभावना है।

मकर राशि: अगर आप पार्टनरशिप में बिजनेस चला रहे हैं, तो कोई बढ़ा फायदा मिलने की संभावना है। आपका काम तेजी से पूरा होगा और अधूरे काम भी पूर्ण होने लगेंगे। इसी के चलते आप परिवार में ज्यादा समय बिता सकते हैं

कुंभ राशि : व्यापार के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है। आपको लाभ कमाने के कई अवसर प्राप्त हो सकते हैं। लेकिन इसके लिए प्रयास करते रहना जरूरी होगी।जल्दबाजी में फैसले लेने से परेशानी खड़ी हो सकती है।ऐसे में कार्यक्षेत्र में कोई भी फैसला सोच-समझकर ही लें। आपको स्वास्थ्य पर भी खास ध्यान देने की जरूरत है और परिवार के मामले में दिन सामान्य रहने वाला है।

मीन राशि: कार्यक्षेत्र में आपका दिन लाभ दिलाने वाला हो सकता है और व्यापार में जोखिम उठाने से कुछ बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। अगर आप किसी परेशानी का सामना कर रहे हैं, तो उसे धैर्य और अपनी मधुर वाणी से दूर कर सकते हैं।नौकरी करने वाले अपनी बुद्धिमानी से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप संकट में फंसे किसी व्यक्ति भी सहायता कर सकते हैं।परिवार में चल रही समस्याओं को शांति से बैठकर सुलझाना होगा।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

कश्मीर को लेकर सतर्क रहें सरकार

> विधानसभा चुनावों का शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न होना और भारी संख्या में लोगों की भागीदारी भी उत्साववर्धक रही। इस सबसे पाकिस्तान का विचलित होना स्वाभाविक है। पहलगाम का आतंकी हमला इसी खीझ का परिणाम रहा जिसका भारत ने कूटनीतिक और सैन्य मोर्चे पर आपरेशन सिंदूर के रूप में बेहद कड़ा जवाब दिया।

पा जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटे छह वर्ष हो गए। इस अवसर पर अनेक आयोजन हुए, लेकिन इसके थोड़ा पहले इस केंद्रशासित प्रदेश में सत्तारूढ़ नेशनल कांफ्रेंस ने 13 जुलाई को शहीदी दिवस आयोजन की अनुमति मांगी। यह अनुमति एक तरह के उकसावे की कार्रवाई थी। अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के अलग केंद्रशासित प्रदेश बनने और संवैधानिक परिवर्तन के बाद शहीदी दिवस आयोजन पर रोक लग गई थी, क्योंकि एक बड़ी आबादी और खासकर गैर-मुस्लिम इसे लेकर असहज रहते थे। ऐसे में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा शहीदी दिवस आयोजन की मंशा पर सवाल उठना स्वाभाविक है। जब चीजें सामान्य हो रही हैं तब वे ऐसा कुछ क्यों करना चाहते हैं, जिससे तनाव बढ़ जाए? इतिहास के पन्ने पलटें तो जम्मू-कश्मीर में 13 जुलाई, 1948 को पहली बार शहीदी दिवस आयोजित किया गया। इस आयोजन की जड़ें 1931 की एक घटना से जुड़ी हैं। नार्थ वेस्ट फ्रंटियर प्राविंस में एक अंग्रेज अधिकारी के यहां अब्दुल कादिर नाम का रसोइया था। उस रसोइये ने महाराजा के विरुद्ध विद्रोह किया। राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तारी के बाद उसे श्रीनगर केंद्रीय कारागार में डाल दिया गया। इससे एक शंका गहराई कि नार्थ वेस्ट फ्रंटियर प्राविंस का एक मुस्लिम जम्मू-कश्मीर के महाराजा को आखिर क्यों अपदस्थ करना चाहता था? इसमें उसका क्या दांव लगा था या फिर वह एक बड़ी ब्रिटिश साजिश का महज एक मोहरा था? कादिर की

गिरफ्तारी के विरोध और रिहाई की मांग को लेकर लोग सड़कों पर उतर आए। जेल के बाहर 13 जुलाई, 1931 को जुटे प्रदर्शनकारी हिंसक होकर हिंदुओं की संपत्ति लूटने और उसके विध्वंस पर आमादा हो गए। राज्य को हस्तक्षेप करना पड़ा, जिसमें कुछ प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई। इसके बाद हिंसा ने शहर के अन्य हिस्सों को भी अपनी चपेट में ले लिया। महाराजगंज इलाके में सबसे अधिक नुकसान हुआ। दंगाइयों ने जिस तरह टेलीफोन और बिजली के तार काटे, उससे यही संदेह पुख्ता हुआ कि यह सब सुनियोजित था। हिंदुओं की दुकानें और घर आग के हवाले कर दिए थे। महिलाओं का उत्पीड़न किया गया। पुलिस की रक्षात्मक कार्रवाई में 22 दंगाई मारे गए थे। इस घटना की आड़ में अंग्रेजों ने महाराजा पर दबाव डालकर उनसे गिलगिट का इलाका लीज पर लेने में सफल रहे। इस साजिश का तानाबाना ही संभवत: अंग्रेजों ने बुना था। तब अंग्रेज रूसी विस्तारवाद से चिंतित थे और गिलगिट पर नियंत्रण चाहते थे। गिलगिट रणनीतिक रूप से रूस, चीन और अफगानिस्तान के बीच में स्थित है, जिसे अंग्रेज रूसी विस्तार को देखते हुए बफर के रूप में इस्तेमाल करना चाहते थे। वर्ष 1935 में गिलगिट को 60 वर्षों के लिए लीज पर लेकर अंग्रेजों ने इस क्षेत्र का प्रत्यक्ष प्रशासनिक नियंत्रण हासिल कर लिया। यह लीज 1947 में भारत विभाजन के बाद प्रभावी नहीं रह गई। उस दौर में शेख अब्दुल्ला सांप्रदायिक विभाजन को भुनाना चाहते थे। उन्होंने 1932 में जम्मू एंड कश्मीर मुस्लिम कांफ्रेंस नाम से नई पार्टी बनाई थी। उसका दायरा बढ़ाने के लिए 1939 में उसका नाम बदलकर जम्मू एंड कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस किया। अक्टूबर 1947 में भारत के साथ विलय के बाद महाराजा हरि सिंह ने प्रधानमंत्री नेहरू के जोर देने पर शेख अब्दुल्ला को 5 मार्च, 1948 को जम्मू-कश्मीर का प्रधानमंत्री नियुक्त किया। उसी साल शेख अब्दुल्ला ने उन मारे गए लोगों की स्मृति में 13 जुलाई को यौम-ए-शुहादा यानी शहीदी दिवस के रूप में मनाने और सार्वजनिक अवकाश की परंपरा शुरू की। यह राजनीतिक पैठ बढ़ाने के उद्देश्य से उठाया गया कदम था। सत्ता पर अपनी पकड़ मजबूत बनाने के लिए शेख ने सांप्रदायिक भावनाओं का सहारा लिया। कश्मीर रियासत की बात करें तो डोगरा शासन उसके लिए सबसे अधिक समृद्धि वाला रहा। उसके किसी राजा को गद्दी से हटाने के लिए सुनियोजित षड्यंत्र को आजादी के आंदोलन के रूप में चित्रित करना तत्कालीन परिस्थितियों का नितांत गलत आकलन होगा। प्रदर्शनकारियों ने अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय को निशाना बनाकर लूटपाट की। ऐसे लोगों को कभी शहीद का दर्जा दिया ही नहीं जाना चाहिए। यही कारण है कि जम्मू संभाग में 13 जुलाई एक काले दिन के रूप में देखा जाता है। क्या वर्तमान मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी अपने दादा के पदचिह्नों पर चलते हुए शहीदी दिवस के बहाने सांप्रदायिक तनाव को भड़काने की जुगत में थे? अनिश्चित भू-राजनीतिक परिदृश्य में इसके और जोखिम बढ़ जाते हैं, क्योंकि यह किसी से छिपा नहीं कि उमर इसके माध्यम से पता नहीं किसके हितों को आगे बढ़ा रहे हैं। इस क्षेत्र में चीन से लेकर अमेरिका और पाकिस्तान तक अपनी चालें चलते रहते हैं। इसलिए इस कदम की जरा भी अनदेखी न की जाए। इससे उन प्रयासों को पलीता लग सकता है, जिनके चलते बीते कुछ समय से जम्मू-कश्मीर में स्थितियां सुधरी हैं। पिछले साल यहां पत्थरबाजी की एक भी घटना नहीं देखने को मिली। आतंकी वारदातों की संख्या भी घटी है। राज्य में सामान्य होती स्थिति का एक बड़ा प्रमाण पर्यटकों की आवक में तेज बढ़ोतरी भी है। विधानसभा चुनावों का शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न होना और भारी संख्या में लोगों की भागीदारी भी उत्सावर्धक रही। इस सबसे पाकिस्तान का विचलित होना स्वाभाविक है। पहलगाम का आतंकी हमला इसी खीझ का परिणाम रहा, जिसका भारत ने कूटनीतिक और सैन्य मोर्चे पर आपरेशन सिंदूर के रूप में बेहद कड़ा जवाब दिया। इस सैन्य कार्रवाई के साथ ही हम इसकी अनदेखी नहीं कर सकते कि पहलगाम में हमले को अंजाम देने वालों को स्थानीय लोगों का समर्थन-सहयोग मिला। बेहतर यह होगा कि जम्मू-कश्मीर में 19 जनवरी का दिन चेतना दिवस के रूप में मनाया जाए। 1990 में इसी दिन कश्मीर घाटी में हिंदुओं का नरसंहार हुआ और उन्हें बेदखल किया गया। यह राष्ट्र की सामूहिक चेतना पर बड़ा आघात था। जम्मू-कश्मीर में वास्तविक शांति तभी आएगी, जब कश्मीरी हिंदू सुरक्षित रूप से घर वापस लौट सकें, लेकिन यह किसी तरह के ध्रुवीकरण वाले माहौल में नहीं हो सकता।

शिक्षा-चिकित्सा को मुनाफाखोरी से बचाने का भागवत-आह्वान

ललित गर्ग

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने इंदौर के एक किफायती कैंसर अस्पताल के उद्घाटन अवसर पर जो बात कही, वह आज की सबसे बड़ी सामाजिक-आर्थिक और नैतिक आवश्यकता को उजागर करती है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शिक्षा और चिकित्सा जैसे बुनियादी क्षेत्रों को मुनाफाखोरी से मुक्त होना चाहिए, क्योंकि ये सेवा के क्षेत्र हैं, व्यापार के नहीं। हाल के वर्षों में शिक्षा और चिकित्सा का जिस तेजी से बाजारीकरण एवं व्यावसायीकरण हुआ है, सरकार के साथ-साथ निजी क्षेत्र ने इसे धन कमाने का जरिया बनाया है, वह न केवल नये समाज निर्माण की चिन्ताओं बल्कि एक दूषित सोच को दशार्ता है। क्योंकि उसने आम आदमी को बदहाली के कगार पर पहुंचाया है। महंगी शिक्षा ने जहां अभिभावकों का बजट हिला दिया है, वहीं चिकित्सा के नाम पर मुनाफाखोरी ने लाखों परिवारों को गरीबी के दलदल में धकेलते हुए जरूरी चिकित्सा से वंचित किया है। इस मर्ज की रग पर हाथ रखते हुए भागवत द्वारा दी गई चेतावनी सत्ताधीशों की आंख खोलने वाली है। भारत में स्वास्थ्य-शिक्षा को प्रारंभ से ही सामाजिक दायित्व मानने की परंपरा रही है। लेकिन दुर्भाग्य से आज स्कूल-कॉलेज और अस्पताल लाभ संचालित उपक्रमों में तब्दील हो गए हैं और सेवा की बजाय धन कमाने के अड्डे बन गये हैं। आज निजी क्षेत्र के साथ-साथ सरकारों की मानसिकता भी धन-केन्द्रित होती जा रही है, जिससे आमजन को सस्ते एवं किफायती शिक्षा एवं चिकित्सा के साधन-सुविधाएं सुलभ नहीं हो रही है। मुनाफाखोरी की अंतहीन लिप्सा ने कथित गुणवत्ता वाले स्कूलों व अस्पतालों को आम आदमी की पहुंच से दूर किया है। इन जटिल होती स्थितियों के बीच भागवत का यह बयान केवल एक सामान्य टिप्पणी नहीं, बल्कि एक चेतावनी है-सरकार, नीति-निमार्ताओं और समाज के लिए। शिक्षा और स्वास्थ्य, दोनों ही मानव जीवन के मूलभूत स्तंभ हैं। लेकिन आज इन दोनों क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती व्यावसायिक प्रवृत्तियां इन्हें सेवा के बजाय मुनाफे की मशीन बना रही हैं। निजी स्कूलों की भारी फीस, कोचिंग संस्थानों की प्रतिस्पर्धा और महंगे मेडिकल कॉलेजों की ट्यूशन-इन सबने शिक्षा को गरीब और मध्यम वर्ग की पहुंच से दूर कर दिया है। इसी तरह, अस्पतालों और दवा कंपनियों का अत्यधिक मुनाफा-उन्मुख मॉडल स्वास्थ्य को एक महंगे उत्पाद में बदल रहा है। निस्संदेह, मोहन भागवत की यह चिंता हमारे समय की विसंगतियों एवं विकृत आर्थिक सोच पर तीखा प्रहार करती है। आज आम भारतीय परिवारों पर स्वास्थ्य सेवाओं का भारी वित्तीय बोझ बढ़ रहा है। विडंबना यह है कि इस खर्च का छोटा हिस्सा ही सरकारी खजाने से वहन किया जाता है, जो कि स्वास्थ्य खर्च का महज 17 फीसदी है। वहीं करीब 82 फीसदी स्वास्थ्य खर्च लोगों को मुश्किल हालात में वहन करना पड़ता है। इन स्थितियों के चलते अस्पताल में भर्ती होने के बाद कई परिवार जीवन भर के लिये कर्ज में डूब जाते हैं। तो कई परिवार हमेशा के लिये गरीबी की दलदल में धंस जाते हैं। आज देश की बड़ी आबादी गैर संक्रामक रोगों, मसलन हृदय रोग, मधुमेह व उच्च रक्तचाप आदि से जूझ रही है। इनकी जांच, चिकित्सकीय परामर्श और उपचार के लिये मरीजों को एक बड़ी रकम चुकाने को मजबूर होना पड़ता है। जो कि बीमा योजनाओं के द्वारा बमुश्किल ही पूरी की जाती है। इन विडम्बनापूर्ण एवं चिन्ताजनक स्थितियों के बीच मोहन भागवत का यह संदेश न केवल आर्थिक सुधार का आह्वान है, बल्कि सामाजिक पुनर्जागरण का भी। शिक्षा और चिकित्सा को व्यापार से मुक्त करना सिर्फ भावनात्मक या नैतिक मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्र की स्थिरता और समानता का प्रश्न है। जब गरीब को इलाज न मिले, और होनहार छात्र को शिक्षा से वंचित रहना पड़े, तब असमानता, असंतोष और सामाजिक अशांति बढ़ती है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नया भारत, विकसित भारत, विश्वासभरा भारत का नारा कोरा दिखावा ही प्रतीत होता है। नये भारत में जब आम जनता से करो के रूप में भारी भरकम रकम वसूली जा रही है, जो उस रकम को जनकल्याण एवं जनसेवा में खर्च किया जाना चाहिए। आजादी के बाद से सरकार पर शिक्षा एवं चिकित्सा की ही जिम्मेदारी डाली गयी थी, जिसको सरकारों ने बड़ी चतुराई से धीरे-धीरे निःशुल्क की बजाय सशुल्क करने की कारगरी दिखाई है, जो जनता के विश्वास को आहत करने वाली है। इसलिये भागवत का यह बयान सरकार के लिए आंख खोलने वाला होना चाहिए। नीति-स्तर पर ऐसे कदम जरूरी हैं जिनसे- सरकारी शिक्षा और स्वास्थ्य संस्थानों को उच्च गुणवत्ता के साथ सशक्त एवं जनसुलभ किया जाए। निजी क्षेत्र में फीस और इलाज की दरों पर प्रभावी नियंत्रण हो। सेवा-भाव को बढ़ाने के लिए कर-छूट और प्रोत्साहन मिलें, जबकि मुनाफाखोरी पर कठोर दंड लागू हो। स्वास्थ्य और शिक्षा में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप को पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ लागू किया जाए, इन दोनों क्षेत्रों से धन कमाने की प्रवृत्तियों को अपराध माना चाहिए। यह भी तय किया जाये कि इन दोनों क्षेत्रों में सेवा एवं मिशन भावना से आने वालों को ही मान्य किया जाये, धन कमाने वालों के लिये इन दोनों क्षेत्रों के दरवाजे बन्द हो। शिक्षा और स्वास्थ्य में मुनाफाखोरी को रोकना केवल कानून से संभव नहीं, इसके लिए समाज में मूल्य-आधारित सोच का विकास भी आवश्यक है। सेवा-भाव, मानवीय संवेदनशीलता और न्यायपूर्ण मूल्याधारित आर्थिक ढांचा-यही स्थायी समाधान हैं। मोहन भागवत की यह पहल यदि नीतिगत बदलावों में परिणत होती है, तो यह भारत को न केवल आर्थिक दृष्टि से, बल्कि नैतिक दृष्टि से भी मजबूत बनाएगी। भागवत ने कॉर्पोरेट शैली के कथित कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व यानी सीएसआर के जुमले के बजाय लोककल्याण के धार्मिक सिद्धांतों के अनुसरण की भी अपील की। वर्तमान में कॉर्पोरेट जगत ने सीएसआर फण्ड को स्वयं के बनाये ट्रस्टों में दिखाकर सरकार के सीएसआर प्रावधानों की धज्जियां उडा रखी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सोच और दर्शन में शिक्षा और चिकित्सा हमेशा सेवा और संस्कार के मूल्यों से जुड़ी रही है। संघ मानता है कि राष्ट्र निर्माण का असली आधार स्वस्थ और शिक्षित नागरिक हैं और इन दोनों आवश्यकताओं को समाज के हर वर्ग तक सस्ती, सुलभ और समान रूप से पहुंचाना ही सच्ची देशभक्ति है। डॉक्टर को केवल इलाज का शुल्क लेने वाला पेशेवर नहीं, बल्कि रोगी की पीड़ा का साझेदार मानना और शिक्षक को केवल पाठ पढ़ाने वाला कर्मी नहीं, बल्कि जीवन-निमार्ता के रूप में देखना-यही संघ का दृष्टिकोण है।

देश-काल :राष्ट्रवाद बनाम धार्मिक कट्टरता, बौद्धिक संतुलन की दरकार

संजीव ठाकुर

राष्ट्रवाद सार्वभौमिक सत्य है। राष्ट्र के निर्माण में राष्ट्रवाद की भूमिका हमेशा अति महत्वपूर्ण रही है। देश के हर नागरिक की जिम्मेदारी भी है कि उसकी राष्ट्र के प्रति गहरी निष्ठा, समर्पण हो, पर इसका कतई आशय नहीं है की सत्ता लोलुप राजनीतिक पार्टियां राष्ट्रवाद को धर्म संप्रदाय से जोड़कर सत्ता हथियाने का अवसर या अस्त्र बनाने का प्रयास करें, निसंदेह इस बात से राष्ट्रीय भावना विखंडित, आहत होती है। ऐतिहासिक तौर पर लगातार सत्ता पर बने रहने के लालच से कोई भी राजा सम्राट अथवा बादशाह चिंता नहीं रहा है। वर्तमान परिदृश्य में राजनीतिक पार्टी के नेता भी सत्ता लोलुपता से परे नहीं है, इस संदर्भ में कई बार राष्ट्रवाद को धर्म से जोड़कर भावनात्मक तरीके से इसे सत्ता प्राप्ति का अस्त्र तथा अवसर बनाकर उपयोग किया जाता रहा है। सत्ता सदैव परिवर्तनशील होती रहनी चाहिए, यह एक स्वस्थ लोकतंत्र की परंपरा को और मजबूत बनाती है। लगातार सत्ता किसी भी सत्ताधीश को निरंकुश बनाकर अधिनायकवाद के बीज को रोपित करती है देश में अवसरवादी राजनीतिक दलों की उपस्थिति जातिवादी समीकरण के अतिवादी दृष्टिकोण, अब परिपक्व लोकतांत्रिक संस्थाओं का परिचालन एवं आमजन की सीमित तर्क बुद्धि एवं और दूरदर्शिता के कारण कई बार जनता के दूरगामी लाभ के स्थान पर तात्कालिक लाभ की प्रक्रिया से अवसरवादी अभिमत तथा तुष्टीकरण की नीति से जनता के लाभ के अवसर को दूर ले जाते हैं राजनीतिक पार्टियों की अवसरवादी तथा पद लोलुपता की अभिवृत्ति जनता को तुरंत लाभ देने की सर दूरदर्शन नीति लोकतंत्र को बहुत बड़े खतरे की ओर ले जाती है एवं इससे राष्ट्रीय विकास की क्षमता में बहुत ज्यादा स्खलन होने की संभावना होती है। जनता के हितों उनकी भावनाओं से खिलवाड़ कर शोषण करना अंततः राष्ट्रीय चरित्र तथा अनुशासन के स्थान पर आर्थिक तथा सामाजिक सुरक्षा चरित्र को जन्म देती है अवतारवाद राजनीति का एक अंग हो सकता है किंतु सदैव आशीर्वाद तथा पद लोलुपता राजनीति को गर्त में ले जाने सदस्य है यह अलग मुद्दा है कि जन भावना बहुमत की भावना तथा सामाजिक प्रथाएं एवं तात्कालिक हित किसी भी लोकतंत्र के लिए आवश्यक अंग हो सकते हैं लोकतंत्र में विशेष परिस्थितियों में जनता का समर्थन प्राप्त करना एवं उनके हितों की रक्षा के लिए नए उपायों की अवधारणा उचित हो सकते और आवश्यक भी, किंतु राजनीति में पद लोलुपता अवसरवादी ता एवं जातिवाद को विखंडित करने की नियत किसी भी दृष्टि से लोकतंत्र के हित में नहीं दिखाई देती हैं। भारतीय परंपरा में भी शाम दाम दंड भेद सुशासन का प्रमुख उपकरण मान लिया गया है पर इसके दूरगामी परिणाम तुष्टीकरण के साथ-साथ अनुशासन की महत्ता को कमतर करने का कार्य करते हैं। यह सुनिश्चित है कि बिना विकसित लोकतांत्रिक उपकरणों के लोकप्रियता को मापना एक दुष्कर कार्य हो जाता है कई बार कम संख्या परंतु मजबूत संगठन वाले समूह के हित के लिए अनुचित साधन बनकर रह जाते हैं, और यही कारक बहुमत के शासन के लोकतांत्रिक आदर्श के विपरीत चले जाते हैं लोकतांत्रिक मूल्यों सिद्धांतों को अवसरवादी का पत्ता एवं दलबदल क्षति पहुंचाने के बहुत बड़े कारण हैं अवसरवाद तथा सत्ता की चाहत लोकतांत्रिक मूल्यों के दूरगामी दुष्परिणामों का बड़ा संकेत हो चुका है। भारतीय संविधान में भी लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के छोटे-छोटे छिद्रों से राजनीतिक दल अवसर के जो ताने बाने बुनते हैं उससे राजनैतिक एवं ऐतिहासिक प्रति मानव को हमेशा नुकसान ही हुआ है।

आभूषण व्यवसायी से 4 लाख के गहने लूटे

बाइक से आए बदमाशों ने सरेशाम तमंचा सटाकर की वारदात, पुलिस मौके

भारत संवाद

प्रयागराज, एक आभूषण व्यवसायी से 4 लाख की लूट हो गई। बाइक से आए तीन बदमाशों ने व्यवसायी को रोका और तमंचा सटाकर बैग छीन लिया। बैग में सोने-चांदी के गहने थे। सरेआम शाम लूट के बाद बदमाश निकल भागे। सूचना पाकर पहुंची पुलिस जांच कर रही है। बदमाश प्रतापगढ़ मार्ग की तरफ भागे। पुलिस उस इलाके में नाकेबंदी कर चेकिंग कर रही है। एसीपी समेत अन्य अधिकारी मौके पर हैं। घटना गंगापार के बहारिया थाना क्षेत्र के करनाई गांव के पास हुई। बहरिया के खलसा बाजार के रहने वाले आभूषण व्यवसायी त्रिभुवन यादव की करनई गांव में आभूषण की दुकान है। वह बाइक से दुकान जा रहे थे। करनाई गांव के बाद पीछे लगे बदमाशों ने बाइक रोकी और बैग लेकर निकल भागे। घटना शाम करीब साढ़े चार बजे की है।

78वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर निकाली गयी तिरंगा यात्रा

यात्रा- नगर निगम गेट नं0 1 से होते हुए सुभाष चौराहे तक निकाली गयी

- महापौर- यात्रा का शुभारम्भ कर, कहा सम्पूर्ण देश देशभक्ति की भावना में लीन, जश्न मना रहा सारा हिन्दुस्तान, तिरंगा हमारी आन-बान शान का प्रतीक, युवाओं से देश की एकता को मजबूत करने के लिए किया आह्वान।

भारत संवाद

नगर निगम प्रयागराज द्वारा 78वें स्वतंत्रा दिवस की पूर्व संध्या पर तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा में बडे.ही जोश के साथ मा0 महापौर (श्री उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी) प्रयागराज के साथ बड़ी संख्या में मा0 पार्षदगण, नगर निगम के समस्त अधिकारी व कर्मचारीगण, इस्पेशल टास्ट फोर्स के जवान, सृष्टि वेस्ट मैनेजमेन्ट सिर्विसेज के समस्त कर्मचारी, लॉयन्स वेस्ट मैनेजमेन्ट के कर्मचारी, तिरंगा यात्रा के सुरक्षा में लगे पुलिस विभाग के जवान एवं महिला सिपाही, तथा नगर निगम समस्त कर्मचारियों के साथ तिरंगा फहराते हुए यात्रा में प्रतिभाग किया गया। यात्रा के दौरान बडी संख्या में लोगो का हुजूम उमड़ा, देशभक्ति का जज्बा लिए इस यात्रा में शामिल हुए। देशभक्ति गीत एवं वातावरण भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से गूज उठा। यात्रा के दौरान मा0 महापौर ने कहा कि तिरंगा यात्रा हर भारतियों के दिलों में देशभक्ति की भावना जगाना और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। सम्पूर्ण भारत में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत देशभर में स्वतंत्रता दिवस के पूर्व तिरंगा यात्रा

अभियान/रैली जोश और उत्साह के साथ निकाली गयी। मा0 महापौर ने कहा कि रैली एक जन-आंदोलन बन चुकी है, जो राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोता है और देशभक्ति की भावना को मजबूत करता है साथ ही यह दशार्ता है कि 140 करोड़ देशवासी उस स्वतंत्र भारत को विकसित और सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए संकल्पित हैं, जिसका सपना असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने त्याग, तप और समर्पण से देखा था आज हम सभी मिलकर स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर तिरंगा यात्रा के माध्यम से देश के प्रति भक्ति भावनाओं को प्रकट करते रहेंगें। इस दौरान पुलिस प्रशासन ने यात्रा के दौरान सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए थे। जिसके साथ ही तिरंगा यात्रा सकुशल सम्पन्न हुई।

फास्ट ट्रैक

थाना चुनार पुलिस द्वारा अन्तर्जनपदीय शातिर वाहन चोर गैंग के 03 शातिर अभियुक्त गिरफ्तार, चोरी की 02 अदद चार पहिया व 02 अदद दो पहिया वाहन बरामद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखने तथा अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान व वाहनों की चोरी एवं बिक्री करने वालों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए अभियुक्तों की गिरफ्तारी/बरामदगी करने हेतु जनपद के समस्त थाना प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये हैं। उक्त निर्देश के अनुक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन व क्षेत्राधिकारी चुनार के नेतृत्व में थाना चुनार पुलिस टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। आज दिनांकः13.08.2025 को थाना चुनार पुलिस टीम को जरिए मुखबिर भग्गल की मड़ई तिराहा, रैपुरिया मार्ग के पास कुछ लोगों द्वारा चोरी के चार पहिया व दो पहिया वाहनों की खरीद फरोख्त करने की सूचना प्राप्ता हुई। उक्त सूचना पर थाना चुनार पुलिस टीम द्वारा मौके पर दबिश देकर 03 नफर अभियुक्तों 1.शिवकुमार बिन्द पुत्र चीनी प्रसाद बिन्द निवासी मछहाँ थाना जिगना जनपद मीरजापुर व 02 नफर बाल अपचारी को पकड़ा गया तथा मौके से चोरी की 02 अदद चार पहिया वाहन(एक अदद पिकअप, एक अदद बोलेरो डीआई) व 02 अदद दो पहिया वाहन(एक अदद बजाज पल्सर व एक अदद हीरो स्प्लेण्डर) बरामद किया गया। उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना चुनार पर मु0अ0सं0-389/2025 धारा 317(2), 317(5) बीएनएस पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्तों को मा0न्यायालय/जेल/किशोर न्याय बोर्ड भेजा जा रहा है।

थाना विन्ध्याचल पुलिस द्वारा एक नफर वारण्टी गिरफ्तार

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना विन्ध्याचल पुलिस द्वारा एक नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया। आज दिनांकः13.08.2025 को उप-निरीक्षक विजय शंकर तिवारी मय पुलिस टीम द्वारा एक नफर वारण्टी गणेश पुत्र स्व0रघु निवासी कंतित थाना विन्ध्याचल जनपद मीरजापुर को उसके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

थाना विन्ध्याचल पुलिस द्वारा चोरी के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्ता गिरफ्तार, 9745/- नगद बरामद

थाना विन्ध्याचल, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः12.06.2025 को एक महिला मोनू ओझा अपने परिवार जन के साथ विन्ध्याचल मां विन्ध्यवासिनी देवी का दर्शन-पूजन करने आयीं थी कि इस दौरान मंदिर में लगी लाइन में संदिग्ध लड़की द्वारा उनके पर्स से नगदी व मंगल सूत्र चोरी कर लिया गया। महिला द्वारा संदिग्ध लड़की को पकड़कर तलाशी ली गयी तो पैसा नीचे गिरा और जैसे ही पैसा उठाने महिला झुकी लड़की वहां से मंगल सूत्र लेकर भाग गयी थीं। उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना विन्ध्याचल पर मु0अ0सं0-194/2025 धारा 303(2) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई।

थाना को0देहात पुलिस द्वारा महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने के अभियोग से सम्बन्धित नामजद 02 अभियुक्त गिरफ्तार

थाना को0देहात, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः12.08.2025 को एक महिला द्वारा नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध के वादिनी के मजदूरी कराने के बहाने बरगलाकर ले जाकर शराब पिलाकर सामूहिक दुष्कर्म करने, वीडियो बनाकर महिला के पति को भेजने तथा जान से मारने की धमकी देने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गयी। उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना को0देहात पर मु0अ0सं0-340/2025 धारा 70(1),351(2) बीएनएस व 67बी आईटी एक्ट पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई। सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त महिला सम्बन्धित अपराध की घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक को0देहात को अभियुक्तों की गिरफ्तारी कराये जाने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने स्थानीय निकाय के कार्यों की समीक्षा की

स्वच्छ सर्वेक्षण में की रैकिंग में सुधार लाये जाने के दिए निर्देश

निर्देश

- सभी सम्बंधित अधिकारी भ्रमणशील रहकर प्राथमिकता पर साफ-सफाई और स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित कराये के दिए निर्देश
- हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत सभी नगर पंचायतों में भव्य रूप से कार्यक्रमों का आयोजन कराये जाने के दिए

भारत संवाद

जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को संगम सभागार में स्थानीय निकाय के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने स्वच्छ सर्वेक्षण की रैकिंग, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, सफाई व्यवस्था, डोर-टू-डोर कलेक्शन, शौचालय, अमृत योजना, प्रकाश व्यवस्था, प्रधानमंत्री आवास योजना, वंदन योजना, कान्हा गौशाला, आदर्श नगर पंचायत योजना आदि के विषय पर समीक्षा करते हुए सभी सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिशाषी अधिकारी नगर पंचायतों से किस नगर पंचायत में कितनी आबादी है, की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने सभी नगर पंचायतों की स्वच्छ सर्वेक्षण में रैकिंग खराब होने पर नाराजगी व्यक्त की और रैकिंग में सुधार लाये जाने हेतु किन-किन बिंदुओं पर कौन सी नगर पंचायत के प्वाइंट कम है, उसमें सुधार लाये जाने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित अधिशाषी अधिकारी नगर पंचायतों से सभी नगर पंचायतों में साफ-सफाई की अच्छी व्यवस्था कराने, नाले-नालियों की साफ-सफाई कराये जाने, गड्ढ़े ठीक कराये जाने, शौचालयों के साफ-सफाई की अच्छी व्यवस्था कराये जाने के के सम्बंध में निर्देशित किया है। उन्होंने कहा कि साफ-सफाई और स्वच्छता प्राथमिकता पर रहे और आप सभी सम्बंधित अधिकारीगण भ्रमणशील रहकर इसे सुनिश्चित करायें। निराश्रित गोवंशों को गौ आश्रय स्थलों संरक्षित करायें, पॉलीथीन पर विशेष अभियान चलाये तथा बजट को समय से व्यय कर लिया जाये एवं कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान दिया जाये। जिलाधिकारी ने कूड़ा निस्तारण का कलेक्शन से लेकर निस्तारण तक की प्रक्रिया पर निगरानी रखने हेतु प्रभावी कार्ययोजना बनाये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने डेंगू के दृष्टिगत एण्टीलार्वा का छिड़काव कराने के निर्देश दिए है। उन्होंने सभी सम्बंधित अधिकारियों से अपने क्षेत्र के जर्जर भवनों चिन्हित कराने एवं कार्यालयों को साफ-सुथरा रखने के निर्देश दिए है। उन्होंने हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत सभी नगर पंचायतों में कार्यक्रमों का आयोजन कराये जाने के निर्देश दिए है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी नगर श्री सत्यम मिश्र सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय में रोजगार महाकुम्भ 2025 के तहत द्वितीय दिवस भी रोजगार मेले का किया गया आयोजन

माननीय महापौर ने रोजगार मेले का किया उद्घाटन

- दूसरे दिन के रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की कम्पनियों द्वारा कुल 1423 अभ्यर्थियों का किया गया चयन
- दो दिवसीय वृहद रोजगार मेले के दौरान कुल 2590 अभ्यर्थियों का विभिन्न पदों पर किया गया चयन

भारत संवाद

क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, प्रयागराज एवं नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय, प्रयागराज के संयुक्त तत्वाधान में रोजगार महाकुम्भ 2025 के द्वितीय दिवस दिनांक 13.08.2025 को नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय, हनुमानगंज परिसर प्रयागराज में प्रातः 10:00 बजे रोजगार महाकुम्भ 2025 (वृहद रोजगार मेला) का आयोजन किया गया। इस रोजगार मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि महापौर, प्रयागराज श्री गणेश केसरवानी द्वारा किया गया महापौर ने बेरोजगार नवयुवक नवयुतियों को सम्बोधित करते हुए कहा की हमें किसी भी प्रतिष्ठान निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करना चाहिए। जिस भी कम्पनी में आप जा रहे हैं उसमें आपका ओहदा आपके कार्य के अनुसार तय होता है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि फूलपुर के चयरमैन श्री अमर नाथ यादव द्वारा सम्बोधित करते हुए युवा शक्ति को देश की धरोहर बताया गया। सहायक निदेशक(सेवा0) श्री राजीव यादव द्वारा मा0 मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का स्वागत किया गया तथा इस रोजगार मेले में अभ्यर्थियों को बढ़-चढ़ कर प्रतिभाग करने हेतु उत्साहित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान कुलपति प्रो. रोहित रमेश एवं डॉ. सुरेश चन्द्र तिवारी द्वारा की गयी कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि श्री नमित मिश्रा एवं उपनिदेशक सेवायोजन रविशेखर आंनद द्वारा की गयी। इस कार्यक्रम में जिला सेवायोजन अधिकारी चन्द्रकान्त सिंह, मानवेन्द्र सिंह पंकज सिंह प्रशांत एवं प्रवीण यादव अनुभव त्रिपाठी एवं संस्थान के सभी एवं सेवायोजन कार्यालय के समस्त अधिकारी/कर्मचारी एवं संस्थान के समस्त अध्यापक/अध्यापिकाओं द्वारा मेले को सफल बनाने में अथक प्रयास किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री विश्व मोहन द्विवेदी द्वारा किया गया तथा प्रीप्लेसमेंट कैरियर काउंसिलिंग श्री कुष्याकांत कुशवाहा द्वारा की गयी। धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. हिमांशु टंडन द्वारा द्वारा किया गया मेला प्रभारी श्री मारूफ अहमद द्वारा सभी कम्पनियों का क्वार्डिनेशन किया गया। उक्त दो दिवसीय रोजगार महाकुम्भ 2025 (वृहद रोजगार मेला) में दिनांक 12.08.2025 को 2445 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें से 1167 बेरोजगारों को रोजगार हेतु चयनित किया गया। दिनांक 13.08.2025 में 2950 बेरोजगारों द्वारा प्रतिभाग किया गया, जिनमें से 1423 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। दो दिवसीय रोजगार मेले में कुल 5395 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें से 2590 अभ्यर्थियों का विभिन्न पदों पर चयन किया गया।

जिलाधिकारी ने नवनिर्मित मम्फोर्डगंज फ्लड पम्पिंग स्टेशन पर सभी आवश्यक व्यवस्थाओं के सम्बंध में की बैठक, दिए आवश्यक निर्देश

भारत संवाद

जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को संगम सभागार में मम्फोर्डगंज में नवनिर्मित फ्लड पम्पिंग स्टेशन पर सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित कराये जाने एवं फ्लड पम्पिंग स्टेशन को सुचारू रूप से क्रियाशील रखने के सम्बंध में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने फ्लड पम्पिंग स्टेशन को पूरी क्षमता के साथ लगातार सुचारू रूप से क्रियाशील रखने के निर्देश दिए है, जिससे कि फ्लड पम्पिंग स्टेशन से सम्बंधित क्षेत्र में बाढ़ एवं बरसात के पानी की निकासी होती रहे तथा कहीं पर भी जल-जमाव न होने पाये। उन्होंने सभी सम्बंधित अधिकारियों को एलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए है। उन्होंने अधिशाषी अभियंता हाइडल से फ्लड पम्पिंग स्टेशन पर विद्युत व्यवस्था सुचारू रूप से बनाये रखने हेतु मोबाइल ट्रांसफार्मर अथवा अन्य उपाय कराये जाने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने फ्लड पम्पिंग स्टेशन के गेट में आइलिंग व ग्रीसिंग कराये जाने एवं फ्लड पम्पिंग स्टेशन की लगातार निगरानी रखने के लिए किसी व्यक्ति शिफ्टवार ड्यूटी लगाये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि फ्लड पम्पिंग स्टेशन के संचालन में किसी भी प्रकार की कोई भी लापरवाही नहीं होनी चाहिए अन्यथा सम्बंधित अधिकारियों की संयुक्त रूप से जिम्मेदारी तय की जायेगी।बैठक में जिलाधिकारी ने फ्लड पम्पिंग स्टेशन पर नगर आयुक्त से समन्वय कर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने हेतु अपर जिलाधिकारी नगर को नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है। जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व से फ्लड पम्पिंग स्टेशन से सम्बंधित सभी अधिकारियों के कार्यों की निगरानी रखने के लिए कहा है। उन्होंने एक्सीएन गंगा प्रदूषण, एक्सीएन बाढ़, एक्सीएन जलकल एवं सभी सम्बंधित अधिकारियों को प्रतिदिन फ्लड पम्पिंग स्टेशन का निरीक्षण कर क्रियाशीलता की जांच करते रहने के निर्देश दिए है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी नगर श्री सत्यम मिश्र, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व श्रीमती विनीता सिंह, एनएचआई, अधिशाषी अभियंता बाढ़ खण्ड, अधिशाषी अभियंता जलकल, अधिशाषी अभियंता गंगा प्रदूषण, अधिशाषी अभियंता हाइडल नोडल सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने 14 लखपति दीदियो को लखनऊ से नई दिल्ली लालकिले पर आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह मे सम्मिलित होने के लिए किया रवाना

15 अगस्त को लाल किले पर आयोजित स्वतन्त्रता दिवस कार्यक्रम की साक्षी बनेंगी उत्तर प्रदेश की 14 लखपति दीदियां

- उप मुख्यमंत्री ने अपने कैम्प कार्यालय 7- कालिदास मार्ग से हरी झण्डी दिखाकर बस से किया रवाना
- लखपति दीदियों की ऐतिहासिक भागीदारी
- उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के मार्गदर्शन में नारी सशक्तिकरण की नई उड़ान

भारत संवाद

लखनऊः देश की आजादी के राष्ट्रीय पर्व 15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस)को नई दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले पर आयोजित ध्वजारोहण समारोह की उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की विभिन्न जनपदों से चयनित 14 लखपति दीदियाँ भी साक्षी बनेंगी। यह अवसर ना केवल उनके जीवन यात्रा की कहानी को सम्मानित करता है, बल्कि प्रदेश की ग्रामीण महिलाशक्ति की आत्मनिर्भरता का भी प्रतीक है। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के कुशल निर्देशन में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से लाखों महिलाएं आज विभिन्न उद्यमों में लगकर आर्थिक रूप से सशक्त बन रही हैं। स्वतंत्रता दिवस

समारोह में भागीदारी को लेकर लखपति दीदियों में गहरा उत्साह है। उप मुख्यमंत्री श्री मौर्य ने बुधवार को अपने कैम्प कार्यालय, 7-कालिदास मार्ग, लखनऊ से 14 लखपति दीदियों को नई दिल्ली के लिए हरी झण्डी दिखाकर बस द्वारा रवाना किया। इन 14 चयनित लखपति दीदियों के साथ उनके पति या एक सहयोगी भी दिल्ली यात्रा पर रवाना किया गया। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़े दो विशेष प्रतिनिधि भी टीम के साथ गये हैं। श्री मौर्य ने उत्तर प्रदेश की लखपति दीदियो को ऐतिहासिक लाल किले पर आयोजित होने वाले स्वतन्त्रता दिवस समारोह मे सम्मिलित होने के आमन्त्रण के लिये मा0 प्रधानमंत्री जी के प्रति आभार प्रकट किया।लखपति दीदियो को नई दिल्ली रवाना करने से पूर्व उप मुख्यमंत्री ने लखपति दीदियो से संवाद करते हुये उनसे अनुभव व विचार साझा किये तथा उन्हें लखपति बनने पर सम्मान पत्र व अंगवस्त्र भेंट किया।

श्रद्धाजंलि सेवा व पुनर्निर्माण का अद्वितीय उदाहरण देवी अहिल्याबाई होल्कर जी

सनातन चेतना की शाश्वत प्रतीक, नारी शक्ति की अद्वितीय प्रतिमूर्ति देवी अहिल्याबाई होल्कर को पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धाजंलि

- देवी अहिल्याबाई होल्कर जी धर्म व न्याय की अडिग प्रहरी : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

भारत संवाद

ऋषिकेश। सम्पूर्ण भारत का गौरव, मालवा की पुण्यभूमि का प्रकाश, सनातन चेतना की शाश्वत ज्योति और नारी शक्ति की अद्वितीय प्रतिमूर्ति देवी अहिल्याबाई होल्कर जी की पुण्यतिथि पर आज परमार्थ निकेतन से श्रद्धासुमन अर्पित किये। वे एक उत्कृष्ट शासक, धर्म, न्याय, सेवा और राष्ट्रभक्ति का जीवंत आदर्श है, जो आज भी समाज को प्रेरित करती है।

देवी अहिल्याबाई होल्कर जी धर्म व न्याय की अडिग प्रहरी थी। उन्होंने 18वीं शताब्दी में न केवल मालवा का कुशलतापूर्वक शासन किया, बल्कि सम्पूर्ण भारत के आध्यात्मिक व सांस्कृतिक पुनर्जागरण में भी अपना अनुपम योगदान दिया। वे एक ऐसी शासिका थीं, जिनके लिए सत्ता साधन थी, साध्य नहीं। उनका शासन न्याय, करुणा और पारदर्शिता का प्रतीक था। प्रजा उनके लिए परिवार के समान थी और उनके निर्णय सदैव धर्मसम्मत व जनकल्याणकारी होते थे।

वे सेवा व पुनर्निर्माण का अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने काशी, उज्जैन, सोमनाथ, द्वारका, हरिद्वार, रामेश्वरम्, गंगोत्री, बद्रीनाथ और कई तीर्थस्थलों पर मंदिरों, घाटों और धर्मशालाओं का निर्माण कराया। उनके द्वारा पुनर्निर्मित काशी विश्वनाथ मंदिर आज भी उनकी श्रद्धा और संकल्प का साक्षी है। गंगा, यमुना, नर्मदा सहित कई पवित्र नदियों के किनारे उन्होंने घाटों का निर्माण कर

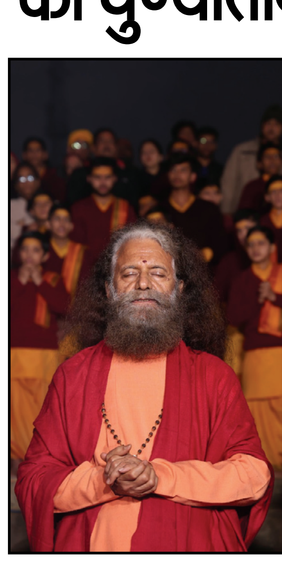

तीर्थयात्रियों के लिए सुविधाएं सुनिश्चित कीं।

वे नारी शक्ति के रूप में एक प्रेरणा है। उन्होंने दिखाया कि नारी केवल परिवार का आधार ही नहीं, बल्कि राष्ट्र व धर्म की भी सशक्त संरक्षिका हो सकती है। उनके जीवन से यह संदेश मिलता है कि कठिन परिस्थितियाँ भी दृढ़ निश्चय और धर्मनिष्ठा के आगे झुक जाती हैं।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने विदेश की धरती से अहिल्याबाई होल्कर जी को श्रद्धाजंलि अर्पित करते हुये कहा कि वे राष्ट्रभक्ति और सनातन मूल्यों की संरक्षिका थी। उन्होंने शासन को राजनीतिक दायित्व न मानकर राष्ट्र की सेवा का माध्यम बनाया। उनका जीवन और कार्य संस्कृति, धर्म और राष्ट्र की रक्षा के लिए पूर्णतः समर्पित था। उन्होंने भारतीय संस्कृति की आत्मा, सनातन धर्म को न केवल संरक्षित किया बल्कि उसे जन-जन तक पहुँचाने का कार्य भी किया।

आज जब समाज भौतिकता की दौड़ में अपनी जड़ों से दूर होता जा रहा है, अहिल्याबाई का जीवन हमें स्मरण कराता है कि सच्ची प्रगति वही है जो सेवा, धर्म और नैतिकता के पथ पर चले। उनका आदर्श युवाओं के लिए यह प्रेरणा है कि नेतृत्व केवल सत्ता पाने का नहीं, बल्कि जनकल्याण करने का साधन है।

देवी अहिल्याबाई होल्कर का जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि शक्ति, सेवा और संस्कार जब एक साथ चलते हैं तो इतिहास में अमर हो जाते हैं। उनकी पुण्यतिथि पर हम सब यह संकल्प लें कि जीवन में धर्म, न्याय और सेवा के पथ पर चलकर भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाएँगे।

सुजीत कुमार उप मुख्य अभियंता प्रयागराज के साथ बैठक का आयोजन

भारत संवाद

जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में प्रयागराज रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के ट्रैफिक कन्जेशन को घटाये जाने के दृष्टिगत प्रयागराज-दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन व इरादतगंज मानिकपुर ट्रैक को जोड़ने के लिए फ्लाइओवर बनाए जाने के संबंध में श्री सुजीत कुमार उप मुख्य अभियंता ठउफ प्रयागराज के साथ बैठक आयोजित की गई बैठक में जिलाधिकारी ने नगर निगम एवं विकास प्राधिकरण को भी समिति में शामिल किए जाने के लिए कहा है ह्व बैठक में जिलाधिकारी ने ऊढफ की सभी स्टेकहोल्डर के समक्ष प्रेजेंटेशन प्रस्तुत करने के लिए कहा है वर्तमान में, प्रयागराज क्षेत्र जिसमें प्रयागराज जंक्शन, नैनी जंक्शन, छिवकी और लिंक जंक्शन स्टेशन शामिल हैं, उत्तर मध्य रेलवे का सबसे व्यस्त खंड है। मौजूदा मार्ग में प्रयागराज जंक्शन, नैनी जंक्शन और छिवकी पर क्रॉस मूवमेंट और प्रयागराज जंक्शन पर इंजन और

ब्रेक वैन को रिवर्सल शामिल है। उपरोक्त कारकों के कारण मौजूदा ट्रैक पर ट्रैन संचालन मे अधिक समय लगता है। मौजूदा ट्रैक और टर्मिनल वर्तमान में अपनी क्षमता से अधिक पर काम कर रहे हैं; इन्हें 2030 तक 3 बिलियन टन की भविष्य की रेलवे महत्वाकांक्षाओं और भारतीय रेलवे के ट्रंक मार्गों पर बेहतर कनेक्टिविटी के लिए अपग्रेड और नया रूप दिया जाना है प्रयाग (उत्तर रेलवे) - लखनऊ के बीच दोहरीकरण कार्य को मंजूरी दी गई है। प्रयागराज - बनारस का दोहरीकरण पूरा हो चुका है और प्रयागराज से बमरौली के बीच फ्लाईओवर सहित चौथी लाइन का काम भी अपने अंतिम चरण में है। सूबेदारगंज से दाउद खान के बीच तीसरी लाइन के लिए अंतिम स्थान सर्वेक्षण का काम भी किया जा रहा है। इसके साथ ही, सूबेदारगंज स्टेशन को मेगा टर्मिनल स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है और 25 वंदे भारत ट्रेनों के रखरखाव के लिए सुविधाएं विकसित की जानी हैं। उत्तर रेलवे की फाफामऊ - रामनाथपुर प्रस्तावित परियोजना के निर्माण के बाद, प्रयागराज जंक्शन पर प्रयाग से पश्चिम मध्य रेलवे तक आने / जाने वाली ट्रेनों के लिए इंजन रिवर्सल और डिटेंशन समाप्त हो जाएगी।

पैरामाउंट इंग्लिश स्कूल में भव्य तिरंगा यात्रा, देशभक्ति के रंग में रंगे नन्हें-मुन्ने

भारत संवाद

अलीगढ़। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पैरामाउंट इंग्लिश स्कूल में एक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में विद्यालय के विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह और जोश के साथ भाग लिया। हाथों में तिरंगा थामे, देशभक्ति के नारों से गूंजती यात्रा ने क्षेत्र में देशप्रेम का माहौल बना दिया।कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती कल्पना शर्मा ने विद्यार्थियों को स्वतंत्रता दिवस का महत्व बताया और उन्हें राष्ट्र सेवा की प्रेरणा दी। उन्होंने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि आज का युवा ही कल का भारत है।इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन श्री यतीन्द्र कुमार शर्मा, प्रबंधक श्री चंदन शर्मा सहित सभी शिक्षकगण एवं स्टाफ सदस्य मौजूद रहे। सभी ने मिलकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें सच्चे देशभक्त नागरिक बनने का संदेश दिया।

20 अगस्त से स्वतः कर निर्धारण के लिए लगेंगे कैंप

व्यवसायिक क्षेत्रों में लगेंगे आठ कैंप, पार्षद और व्यापारी भी रहेंगे मौजूद

भारत संवाद

सहारनपुर। व्यवसायिक क्षेत्रों के जीआईएस सर्वे बिलों के सम्बंध में स्वतः कर निर्धारण प्रपत्र उपलब्ध कराने के लिए 20 अगस्त से 22 अगस्त तक शहर के विभिन्न व्यवसायिक क्षेत्रों में निगम द्वारा दोपहर 12 बजे से दोपहर तीन बजे तक आठ कैंप लगाये जायेंगे।इन कैंपों में जो लोग स्वतः कर निर्धारण के प्रपत्र पर अपना विवरण भरकर देंगे, उन्हीं सही मानते हुए उनके आधार पर अगले दिन उन्हें बिल भेज दिए जायेंगे। हर रोज तीन स्थानों पर कैंप लगाये जायेंगे। कैंपों में निगम अधिकारियो के अलावा क्षेत्रीय पार्षद और व्यापार मण्डल के प्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे।

कर अधीक्षक सुधीर शर्मा ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि महापौर डॉ. अजय कुमार एवं नगरायुक्त शिपू गिरि द्वारा अनेक व्यापारी प्रतिनिधियों एवं पार्षदों से हुई वार्ता एवं विचार

विमर्श के क्रम में नगरायुक्त के निदेर्शानुसार करदाताओं की सुविधा हेतु प्रथम चरण में शहर के व्यवसायिक क्षेत्रों में कर स्वतः कर निर्धारण कैंप लगाये जायेंगे। उन्होंने बताया कि इन कैंपों में करदाताओं को स्वतः कर निर्धारण प्रपत्र उपलब्ध कराये जायेंगे और जो करदाता स्वतः कर निर्धारण प्रपत्र पर अपनी सम्पत्ति का विवरण भरकर देगा, उसे सही मानते हुए अगले दिन उसी आधार पर करदाता को बिल भेज दिया जायेगा।

कर अधीक्षक ने बताया कि शहर के व्यवसायिक क्षेत्रों में लगाये जाने वाले कैंपों के क्रम में 20 अगस्त को दोपहर 12 बजे से तीन बजे तक जैन इण्टर कॉलेज में लगाया जायेगा। इस कैंप में वार्ड 58 के पंजाबी मार्किट, कक्कड़ गंज, फजल गंज, शहनशाही बाजार, नया बाजार, हीरा गंज, मोर गंज, शेख फारूख, नखासा बाजार, लोहा बाजार, दीनानाथ बाजार से सम्बंधित क्षेत्रों की सम्पत्तियों के स्वतः कर निर्धारण प्रपत्र भरे जायेंगे।

कर अधीक्षक ने बताया कि 21 अगस्त को वार्ड 24 गुरुद्वारा रोड पर भाटिया टेण्ट हाउस के पास दोपहर 12 बजे से तीन बजे तक लगाया जायेगा। इसमें गुरुद्वारा रोड के प्रपत्र भरे जायेंगे। इसी दिन दूसरा कैंप उसी समय दालमण्डी पुल मौहल्ला मुंशियान में लगेगा। इसमें वार्ड 47 के खालापार, हिरन मारान, दाल मण्डी पुल, बोमनजी रोड तथा वार्ड 59 के मटिया महल, मौहल्ला मीर कोट, मौहल्ला मिश्रान व अली महाजनान के करदाताओं को प्रपत्र उपलब्ध कराये जायेंगे। 21 अगस्त को ही तीसरा कैंप बॉम्बे पैलेस पर दोपहर 12 बजे से तीन बजे तक लगेगा।इसमें वार्ड 56 खाता खेड़ी और वार्ड 60 हयात कॉलोनी के करदाताओं के लिए प्रपत्र उपलब्ध रहेंगे। 22 अगस्त को शारदा नगर गोल मार्केट में कैंप लगेगा।इसमें वार्ड 14 शारदा नगर उत्तरी तथा वार्ड 41 शारदा नगर दक्षिणी के करदाताओं को स्वतः कर निर्धारण प्रपत्र उपलब्ध करया जायेगा।

फास्ट ट्रैक

79 वें स्वतंत्रता दिवस पर सभी शासकीय एवं अशासकीय भवनों पर प्रातः 08 बजे होगा ध्वजारोहण

अलीगढ़ (सू0वि0): जिलाधिकारी संजीव रंजन ने बताया है कि जिला, तहसील, ब्लॉक, नगर निकायों मुख्यालयों में सरकारी और गैर सरकारी इमारतों पर 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रातः 08 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा एवं अन्य पारम्परिक कार्यक्रम पूर्व की भांति ही आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि 15 अगस्त के राष्ट्रीय पर्व पर प्रातः 6:00 बजे से पब्लिक एड्रेस सिस्टम द्वारा रामधुन राष्ट्रीय गीत एवं देशभक्ति गीतों का प्रसारण किया जाएगा। क्रॉस कंट्री रेस भी आयोजित की जाएगी जो आहिल्याबाई होल्कर स्टेडियम पर समाप्त होगी। प्रातः 7:00 बजे मा0 जनप्रतिनिधियों द्वारा महापुरूषों, कारगिल शहीदों की प्रतिमाओं एवं शहीद स्तम्भों पर माल्यार्पण किया जाएगा। सद्भावना यात्रा रामलीला मैदान से आरंभ होकर आईटीआई रोड पर संपन्न होगी। मा0 जनप्रतिनिधियों द्वारा विभिन्न पार्क, प्रदर्शनी स्थल एवं अन्य स्थानों पर वृक्षारोपण किया जाएगा। पुलिस, पीएसी, एनसीसी, होमगार्ड और स्काउट के जवानों स्कूली छात्रों द्वारा नौरंगीलाल राजकीय इंटर कॉलेज स्टेट बैंक चौराहा, समद रोड, सेंटर प्वाइंट, मैरिस रोड, केला नगर चौराहा, दोदपुर, थाना सिविल लाइन, लाल डिग्गी, डीएम आवास के सामने होते हुए वापस नौरंगी लाल इंटर कॉलेज पर मार्च पास्ट किया जाएगा। सेवा भवन नगर निगम में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का सम्मान एवं सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी जाएगी। मदर टैरेसा चौरिटेबल ट्रस्ट में भोजन और मलिन बस्तियों की साफ सफाई का कार्य भी किया जाएगा।

14 अगस्त को पूर्वान्ह 11 बजे कलैक्ट्रेट में मनाया जाएगा विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

कार्यक्रम प्रदर्शनी के लोकार्पण के साथ ही विस्थापित परिवारों के साथ प्राणोत्सर्ग करने वालों को दी जाएगी श्रद्धांजली

अलीगढ़ (सू0वि0): गत वर्ष की भांति अपनी मातृभूमि के उन परिवारों को नमन करते हुए जिन्हें भारत के विभाजन के दौर में अपने परिवारजन के प्राण न्यौछावर करने वाले ऐसे लोगों की स्मृति में 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाये जाने का निर्णय लिया गया है। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने उक्त जानकारी देते हुए बताया है कि 14 अगस्त को पूर्वान्ह 11 बजे कलैक्ट्रेट सभागार में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस विस्थापित परिवार के सदस्यों के साथ मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के सबंध में अभिलेख प्रदर्शनी के लोकार्पण एवं विस्थापित परिवारों के साथ त्रासदी के दौरान प्राणोत्सर्ग करने वाले लोगों की याद में दो मिनट की मौन श्रद्धांजली दी जायेगी।

एनसीसी कैडिटों ने शहीद सैनिक की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

सहारनपुर। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में 26 उत्तर प्रदेश बालिका वाहिनी एन सी सी, सहारनपुर की कार्यवाहक कमान अधिकारी मेजर शशि सिंह के नेतृत्व में देश के लिए शहीद हुए सैनिक निशांत शर्मा की मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया, और उनके बलिदान को याद किया गया। इस माल्यार्पण कार्यक्रम के दौरान उपस्थित एनसीसी कैडेटों की भारतीय सेना के गौरव के बारे में बताया गया उन्हें बताया गया, कि कैसे एक एन०सी०सी० कैडेट भारतीय सेवा में भर्ती होकर देश की सेवा कर सकता है

तिरंगा हमारी शान हमारा गौरवः जिलाधिकारी

जिला व्यापार मण्डल द्वारा जिलाधिकारी को तिरंगा भेंट कर शुरू किया गया देश की आजादी के पर्व घर-घर तिरंगा कार्यक्रम

भारत संवाद

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल की जिला इकाई द्वारा आज विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत गणराज्य की 79वां स्वाधीनता समारोह कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज शुरू हुए घर-घर तिरंगा, हर घर तिरंगा के कार्यक्रम के अंतर्गत बड़ी संख्या में व्यापारी प्रतिनिधियों ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व जिलाध्यक्ष शीतल टण्डन के नेतृत्व में कलेक्टेज्ट कार्यालय में पहुंचकर जिलाधिकारी का तिरंगे अंगवस्त्र से स्वागत करते हुए खादी का तिरंगा भेंट किया तथा देश की राष्ट्रीय एकता, सदभावना, विकास व उज्जवल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि जिला व्यापार मण्डल जहां व्यापारियों की समस्याओं व उनके निदान के लिए तत्पर रहता है तो वही विभिन्न राष्ट्रीय, सामाजिक पर्वों के अवसर पर भी उनके द्वारा सदैव सक्रियता के साथ भागेदारी की जाती है।इस बात के लिए व्यापारी वर्ग बधाई व साधूवाद का पात्र है। उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल एक झंडा नहीं बल्कि

हमारे वीर शहीदों की कुर्बानियों का प्रतीक है। यह हमारी एकता, अखण्डता और गौरव का प्रतीक है। उन्होंने आहवान किया कि स्वाधीनता दिवस की कार्यक्रमों की श्रृंखला में 13,14 व 15 अगस्त को प्रत्येक नागरिक संगठन व संस्थाएं सक्रिय रूप से भागेदारी करें। अपने घरों व प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहरायें और दीपमालिका करें।यह एक पर्व ही नहीं बल्कि 140 करोड़ भारतीयों की धड़कन है। ये वो दिन है जब हमारा तिरंगा आसमान से ऊंचा और दिल के करीब होगा। क्योंकि हमारे वीर जवानों के लहू की लालिमा हमारी धरती की हरियाली और अनंत आकाश की गहराई का प्रतीक है और ये तिरंगा हमें जान से प्यारा है और हमारी शान और हमारा गौरव है।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा.प्रवीन कुमार, ज्वाइंट मजिस्टेज्ट विनोद कुमार मीणा, एसडीएम विकास पाण्डेय का भी व्यापारी प्रतिनिधियों ने तिरंगे वस्त्र के साथ अभिनन्दन किया। संक्षिप्त कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष शीतल टण्डन, जिला महामंत्री रमेश अरोडा, जिला कोषाध्यक्ष कर्नल संजय मिड्ढा, वरिष्ठ समाजसेवी पंडित जयनाथ शर्मा, रमेश डावर राजकुमार वर्मा, हरीश खुंगर, के.एल.दावड़ा, डा.पी.के.शर्मा, राजीव अग्रवाल, मुरली खन्ना, संजीव सचदेवा, हेंमत कपूर मौजूद रहे।

मुठभेड में शातिर गौकश गिरफ्तार

भारत संवाद

सहारनपुर। थाना नागल पुलिस ने एक मुठभेड के बाद एक शातिर गौकश को गिरफ्तार कर लिया जिसके कब्जे एक तमंचा व गौकशी का अन्य सामाजिक बरामद किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, सहारनपुर के निर्देशन में अपराध की रोकथाम व शातिर गौकश अपराधियों की ध ?पकड हेतु जनपदीय पुलिस द्वारा लगातार सघन चैकिंग/गश्त की जा रही है। इसी क्रम में आज थाना नागल पुलिस टीम द्वारा ग्राम पाण्डौली पुल के पास चैकिग कर रहे थे। तभी कस्बा नागल की तरफ से एक मोटरसाईकिल पर दो सदिग्ध व्यक्ति आते दिखाई दिये, जिन्हें संदिग्ध प्रतीत होने पर पुलिस टीम द्वारा रूकने का इशारा किया गया परन्तु वह नही रुके और अपनी मोटरसाईकिल को पीछे मोडकर भागने लगे। पुलिस टीम द्वारा उनका पीछा किया गया। कुछ दुरी पर जाकर बदमाशों की मोटसाईकिल हडबडाहट में फिसलकर गिर गयी गई व पुलिस टीम को अपने नजदीक आता देख बदमाशों द्वारा जान से मारने की नियत से पुलिस टीम पर फायरिंग की गयी। पुलिस टीम द्वारा की गयी आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग में 01 बदमाश को बायें पैर में गोली लगने से घायलवस्था मे

गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार बदमाश की पहचान नाजिम पुत्र कय्यूम निवासी ग्राम पाण्डौली थाना नागल जनपद सहारनपुर के रूप मे हुई। घायल बदमाश को ईलाज हेतू अस्पताल मे भर्ती कराया गया है। 01 अन्य बदमाश अन्धेरे व जंगल का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। फरार बदमाश की तलाश हेतु लगातार कॉम्बिंग की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से 01 तमंचा 315 बोर , 01 जिंदा/ 01 खोखा कारतूस 315 बोर गौकशी के उपकरण (कुल्हाडी, छुरी, रस्सी) व 01 मोटरसाइकिल सीडी डाउन बिना नम्बर बरामद हुई।

एनएसएस स्वयं सेवकों ने गांव मोहकमपुर में बांटे राष्ट्रीय ध्वज

भारत संवाद / योगेश शर्मा

अलीगढ़। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में मंगलायतन विश्वविद्यालय के प्रबंधन एवं वाणिज्य संस्थान तथा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की तृतीय व चतुर्थ इकाई की ओर से दो दिवसीय तिरंगा वितरण समारोह का आयोजन निकटवर्ती गांव मोहकमपुर में किया गया। इस अवसर पर स्वयं सेवकों ने कार्यक्रम अधिकारी डा. नियति शर्मा, डा. उन्नति जादौन व प्राध्यापिका डा. दीपिका बांदिल के नेतृत्व में ग्रामीणों को ध्वज वितरित किए तथा हर घर तिरंगा पहल के महत्व को समझाया। उन्होंने लोगों को राष्ट्रध्वज के सही उपयोग और सम्मान से जुड़े नियमों के बारे में भी जानकारी दी। डीन एकेडमिक प्रो. राजीव शर्मा, प्रो. अनुराग शाक्य व कार्यक्रम समन्वयक डा. पूनम रानी ने इसे राष्ट्र प्रेम और एकता की भावना को मजबूत करने वाली पहल बताया। वहीं, कुलपति प्रो. पीके दशोरा, कुलसचिव ब्रिगेडियर समरवीर सिंह व परीक्षा नियंत्रक प्रो. दिनेश शर्मा ने स्वयं सेवकों की सराहना करते हुए उन्हें राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

इनवेस्चर सेरेमनी का आयोजन

भारत संवाद

सहारनपुर। श्री चेतन्य टेक्नो स्कूल मे आयोजित इनवेस्चर सेरेमनी का आयोजन किया गया। जिसमे छात्र-छात्राओ के चुनावीकरण के उपरान्त चुने गए हेडगर्ल, हेडबॉय व हाउस कैप्टन को बेचस प्रदान किए गए। कार्यक्रम में हिन्दुस्तान स्काउट गाइड संस्था के स्टेट सेक्रेटरी विवेक कुमार, सरिता पटेल, सोनिया धीमान, सागर कुमार व अलका आदि सम्मानित कार्यकर्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। श्री चेतन्य टेक्नो स्कूल की प्रधानाचार्या डॉ कलईसलवी ने बताया की मुख्य अतिथियों ने विद्यालय के रीजनल इंचार्ज कार्तिक गौर, प्रधानाचार्या डॉ कलईसलवी, जोनल डीन सर चंद्रशेखर, डीन सागर चोपडा आदि के साथ मिल-कर दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस आयोजन में छात्र-छात्राओ के चुनावीकरण के उपरान्त चुने गए हेडगर्ल, हेडबॉय व हाउस कैप्टन को बेचस प्रदान किए गए। चुने गए छात्र -छात्राओं द्वारा मशाल जलाकर मार्च पास की गयी व अपनी-अपनी ड्यूटी के प्राते ईमानदार रहने की शपथ ली गयी। छात्रों द्वारा की गयी सराहनीय प्रतिभा को देखते हुए मुख्य अतिथियों ने स्वरक्षा कौशल व स्काउट गाइड की ट्रेनिंग से सम्बान्हीत कुछ महत्वपूर्ण जानकारियाँ भी दी गयी। विद्यालय के जोनल डीन व प्रधानाचार्या ने भी छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलो का महत्व समझाया व छात्रों द्वारा किए गए कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा की व उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस कार्यक्रम में पी.टी.आई. शुभम खुराना, सी.सी.ए. इंचार्ज दीप्ति तोमर, 10जी इंचार्ज अलका पुण्डीर, मिड स्कूल इंचार्ज पायल शर्मा, रामकुमार, श्यामानंद मिश्रा, सुगम, अमिता, निशिता आदि अध्यापक उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस समारोह नई दिल्ली में विशिष्ट अतिथि होंगे अलीगढ़ के पुर्नवासित 12 बंधुआ श्रमिक

मण्डलायुक्त एवं डीएलसी ने श्रमिकों के वाहन को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): 15 अगस्त 2025 स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में आयोजित समारोह में जिले के पुर्नवासित 12 बंधुआ श्रमिकों को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। आयुक्त, अलीगढ़ मण्डल अलीगढ़ श्रीमती संगीता सिंह एवं उप श्रम आयुक्त नदीम अहमद द्वारा संयुक्त रूप से अलीगढ़ के पुर्नवासित 12 बंधुआ श्रमिकों को भारत सरकार द्वारा उपलब्ध कराये गये वाहन के माध्यम से बुधवार को हरी झंडी दिखाकर व पुष्प वर्षा कर नई दिल्ली के लिए रवाना किया। बस में श्रमिकों की देखरेख के लिए नोडल व श्रम प्रवर्तन अधिकारी आशीष कुमार अवस्थी भी 12 पुर्नवासित बंधुआ श्रमिकों के साथ रवाना हुए हैं।

श्रमिकों की सुरक्षा व सूचना के लिए कलैक्ट्रेट में कन्ट्रोल रूम (247) दिनांक 16 अगस्त तक संचालित है।इस अवसर पर सहायक श्रम आयुक्त सुरेन्द्र राकेश, श्रम प्रवर्तन अधिकारी सुभाष चन्द्र व प्रदेश संगठन मंत्री श्रम विभाग कर्मचारी संघ, उ0प्र0 रवेन्द्र चौधरी उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस पर अलीगढ़ में शराब व भांग बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध

15 अगस्त को जिले में सभी शराब व बार रहेंगे बंद

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0) स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिले में 15 अगस्त 2025 को सभी देशी शराब, कम्पोजिट शॉप, मॉडल शॉप, भांग की थोक एवं फुटकर बिक्री की दुकानें, होटल/बार-रेस्टोरेंट, सैन्य कैंटीन, बॉटलिंग प्लांट, आसवनी एवं अन्य सभी प्रकार के अनुज्ञापनों से मादक पदार्थों की बिक्री पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगी। जिला मजिस्ट्रेट संजीव रंजन ने आदेश जारी करते हुए कहा कि यह प्रतिबंध उत्तर प्रदेश देशी शराब, कम्पोजिट शॉप, मॉडल शॉप एवं भांग की फुटकर अनुज्ञापन एवं व्यवस्थापन नियमावली-2002 और आबकारी अधिनियम-1910 की धारा 59 के तहत लगाया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बंदी के लिए अनुज्ञापियों को किसी प्रकार का प्रतिफल देय नहीं होगा।

हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम के चालिसवे का जुलूस नगर मे निकाला गया

भारत संवाद

सहारनपुर , हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम की शहादत का जुलूसे अरबईन नगर में निकाला गया जिसमे सोगवारो ने मातमी माहौल मे नौहाखानी व सीना जनी की करबला के शहीदो की याद मे जुलूसे अरबईन मातमी माहौल मे पूरी अकीदत के साथ निकाला गया करबला के मैदान मे 7 मोहर्रम से हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम के काफले का पानी बन्द कर दिया गया था करबला मे मौजूद जानवर, कुफ्फार, खुंखार दरिंदे सब पानी पी सकते थे लेकिन हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम के काफिले वाले पानी नही पी सकते थे ।जब कि हजरत इमाम हुसैन के काफिले मे छः माह के बच्चे से लेकर 80 साल के बुढे औरते सभी थे। तपती रेगिस्थान मे 3 दिन तक सभी को भूखा प्यासा रखा गया और 10 मोहर्रम को हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम व 72 अफ्राद को भूखा प्यासा शहीद कर दिया गया। करबला के 72 शहीदो की याद मे निकाला गया जुलूस मौहल्ला मीर कोट से शुरू होकर पुल खुमरान भगत सिह चैक मोर गंज चैक फव्वारा पुल सबजी मण्डी होता हुआ बडी इमाम बारगाह मौहल्ला जाफर नवाज पहुच कर सम्पन्न हुआ

जुलूस मे अकीदत मंदो ने जंजीरो मे बंधी छुरियो, कमाह, व हाथ से अपने शरीर पर मातम किया,उनके शरीर से खून रिस रहा था। सभी गमजदा लोगो ने काले कपडे पहन रखे थे तथा नंगे पैर, गरेबान चाक, मातम करते हुए चल रहे थे। सभी अकीदत मंद या हुसैन, या अली, या अब्बास, हाय सकीना हाय प्यास की आवाजे.बुलंद कर रहे थे।

जुलूस मे सबसे आगे घोडे बेलगाडिया, आदि पर बैठे छोटे छोटे बच्चे काले कपडे पहने हाय सकीना हाय प्यास, चमन चमन कली कली अली अली अली अली, नाराए तकबीर अल्लाहो अकबर, हुसैनियत जिदाबाद यजीदयत मुरदाबाद आदि के नारे बोल रहे थे बच्चो के हाथे मे काले निशान थे।

उत्तर मध्य रेलवे

No. NCR-M-PRYJ-Hiring Vehicle-DFCC-25 दिनांकः 12.08.2025

जेम-टेंडर निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता, कै वै उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा निम्न लिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र में प्रतिष्ठित ठेकेदारों से जेम-निविदाएं, निविदा खुलने की तिथि के 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है-

ई-टेंडर निविदा सूचना संख्या : GEM/2025/B/6564199 Date: 12.08.2025, **कार्य का नामः** मासिक आधार पर कैब और टैक्सी किराये की सेवाएं-एमयूवी; 2000 किमी x 720 घंटे; बाहरी स्थान 24*7

कार्य का अनुमानित लागतः ₹ 40,49,910/-	**धरोहर राशि :** ₹ 81,000/-
निविदा सिस्टमः एकल पैकेट सिस्टम	**कार्य की अवधि :** 01 वर्ष 06 माह
निविदा प्रपत्र का मूल्यः Nil (As per para-iv of rule 161 of GFR-2017)	
GeM वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथिः 12.08.2025	**निविदा खुलने की तिथिः** 03.09.2025
न्यूनतम वांछनीय आधार के लिये सिमिलर वर्क परिभाषाः लागू नही।	

नोटः (1) उपरोक्त जेम निविदाओं की निविदा पुस्तिका के साथ पूरी जानकारी GeM वेबसाइट पर प्रकाशित होने की तिथि से उपलब्ध/अपलोड की जाएगी और निविदा खुलने की नियत तिथि तक वेबसाईट पर WWW.GeM.gov.in पर बनी रहेगी। **(2)** उपरोक्त निविदाओं के लिए जेम बोली के अलावा अन्य बोलियां स्वीकार नहीं की जाएं। इस उद्देश्य के लिए, विक्रेताओं को खुद को GeM वेबसाइट के साथ पंजीकृत कराना आवश्यक है। **(3)** संलग्न किए जा रहे दस्तावेज पर निविदाकर्ता द्वारा अपने हस्ताक्षर किए जाने चाहिए। **(4)** सभी निविदाकारों को ई-निविदा प्रपत्र निःशुल्क जारी किए जाएंगे। **(5)** किसी भी कठिनाई के मामले में GeM की वेबसाइट पर उपलब्ध हेल्पडेस्क से संपर्क किया जा सकता है। **(6)** आनलाइन जेम निविदा खुलने की नियत तिथि पर 15:00 तक जमा की जा सकती है। **1449/25 (MG)**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत हैः-

गाड़ी संख्याः 04145/04146 सूबेदारगंज - आनन्द विहार (ट.) सुपरफास्ट विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 04145 सूबेदारगंज-आनन्द विहार (ट.)			गाड़ी सं.04146 आनन्द विहार (ट.)-सूबेदारगंज	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
-------	08:00	सूबेदारगंज	06:30	-------
09:13	09:15	फतेहपुर	04:35	04:37
10:20	10:25	गोविन्दपुरी	03:00	03:05
13:35	13:40	टूण्डला जं.	23:30	23:35
14:35	14:40	अलीगढ़ जं.	21:55	22:00
15:18	15:20	खुर्जा जं.	20:55	20:57
16:45	16:50	गाजियाबाद जं.	20:00	20:05
17:30	-------	आनन्द विहार (ट.)	-------	19:30

सूबेदारगंज सेः गाड़ी सं. 04145, दिनांक- 14.08.2025 एवं 16.08.2025,
आनन्द विहार (ट.) सेः गाड़ी सं. 04146, दिनांक- 14.08.2025 एवं 16.08.2025,
संरचनाः सामान्य श्रेणीः 07, स्लीपर श्रेणीः 11, वातानुकूलित तृतीय श्रेणीः 02

नोट- ट्रेन की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं0 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे
@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1455/25(DG)

उत्तर मध्य रेलवे

शुद्धि पत्र

ई-प्रापण निविदा सूचना सं0 25/35 दिनांक 25.07.2025 के संदर्भ में निम्नलिखित शुद्धि पत्र जारी किया जा रहा है-

निविदा सं0 : 40253015 टेप पोलिमाइड फिल्म बैक्ड यूनिफार्म माइका की प्रकाशित मात्रा **182277 कि.ग्रा.** के स्थान पर **182277 मीटर** पढ़ा जाए। **1313/25 (C)**

@CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंवं मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा। फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

ये है दुनिया का वो अनोखा पक्षी जो सिर्फ पीता है बारिश का पानी

दुनिया में आपको पक्षियों की बहुत सी प्रजातियां देखने को मिल जाएंगी। जैव विविधता के साथ अलग-अलग इलाकों में अलग-अलग तरह की पक्षी पाई जाती हैं। किसी को दिन में दिखाई नहीं देता तो कोई अपना घोसला नहीं बनाता है। यही नहीं, कुछ पक्षी ऐसे भी हैं, जिसे केवल रात में दिखाई देता है। इस तरह के और भी कई गुणों से मशहूर विश्व में कई ऐसे पक्षी हैं, जो काफी मशहूर हैं। एक ऐसा ही पक्षी भारत में भी पाया जाता है, जो कि धरती पर मौजूद पानी के स्त्रोत का इस्तेमाल नहीं करता है, बल्कि वह बारिश के पानी पर ही आश्रित होता है। इसकी यही खासियत है कि यह सिर्फ बारिश का पानी ही पीता है।

सिर्फ बारिश का पानी पीने वाले इस पक्षी का नाम क्या है?

बरसात के पानी पर जिंदा उस पक्षी का नाम- जैकोबिन कोयल यानी चातक है, जो कि धरती पर मौजूद पानी के किसी स्रोत का इस्तेमाल नहीं करता है। इस पक्षी को कई जगहों पर पपीहा भी कहा जाता है। इसकी अनोखी बात यह है कि अगर चातक पक्षी को साफ पानी की झील में भी डाल दिया जाए तो भी यह अपनी चोंच बंद कर लेता है और पानी नहीं पीता है। धरती पर मौजूद सबसे अनोखे जीवों में से एक है, जिसे कितनी भी प्यास क्यों न लग जाए, वह किसी भी तरह का पानी नहीं पीता है। यहां तक कि इकट्ठा किया हुआ बारिश का पानी भी नहीं वो नहीं पीता है।

भारत में कहां पाया जाता है यह पक्षी?

भारत में यह पक्षी मुख्य रूप से उत्तराखंड में पाया जाता है। उत्तराखंड के गढ़वाल में इसे चोली कहते हैं। गढ़वाल के लोगों के अनुसार यह बस आसमान की ओर देखता रहता है। चातक को मारवाड़ी में मघवा और पपीया भी कहते हैं। यह एक लंबी पूंछ वाला पक्षी है, जिसके सिर पर एक कलगी होती है। पक्षी का आकार लगभग मैना के बराबर होता है। इस पक्षी का वैज्ञानिक नाम क्लैमेटर जैकोबिन्स है। बारिश के पानी के बिना भी यह पक्षी कई दिनों तक जीवित रह सकता है। ऐसा कहा जाता है कि जब इस पक्षी को प्यास लगती है तो यह बारिश के देवता को बुलाता है।

रहस्यमयी है वेनेजुएला की मैराकाइबो झील, साल के 300 दिन चमकती है बिजली

वेनेजुएला की मैराकाइबो झील दुनिया की सबसे पुरानी झीलों में से एक है. यह झील आज भी रहस्यमय बनी हुई है कि आखिर किस वजह से साल के 300 दिन यहां बिजली चमकती है?

वेनेजुएला दक्षिणी अमेरिका महाद्वीप में बना हुआ एक देश है. वैसे तो अक्सर वेनेजुएला महंगाई की वजह से सुर्खियों में बना रहता है, इसके अलावा भी कई कारण हैं जिसकी वजह से वेनेजुएला हमेशा चर्चा का विषय बना रहता है.

वेनेजुएला की मैराकाइबो झील के बारे में तो आपने जरूर सुना होगा. यूरोपियन स्पेस एजेंसी का मानना है कि मैराकाइबो झील दुनिया की सबसे पुरानी झीलों में से एक है, जो लगभग 35 मिलियन साल पुरानी है. ये झील आम झीलों के मुकाबले काफी बड़ी है. वैज्ञानिकों का मानना है कि लाखों वर्षों में इस झील का पानी और तली कई बार बदलावों से गुजरी होगी. तो अब सवाल यह है कि क्या इसी दौरान झील की तलहटी में कुछ ऐसा जम गया है जिसकी वजह से इस जगह पर सबसे ज्यादा बिजली चमकती है?

यूरोपियन स्पेस एजेंसी का मानना है कि यह झील दुनिया की सबसे पुरानी झीलों में से एक है, जिसका निर्माण 35 मिलियन साल पहले हुआ होगा। यह झील साढ़े 13 हजार वर्ग किलोमीटर में फैली है, जो दूसरी झीलों से काफी बड़ी है। वैज्ञानिकों का मानना है कि लाखों सालों में इसके पानी और तली में कई बार बदलाव हुआ होगा। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या झील की तलहटी में कुछ जमा है, जिसकी वजह से यह दुनिया की सबसे ज्यादा बिजली चमकने वाला स्थान बन गया है। यह अभी तक रहस्य है और इसकी जानकारी किसी के पास नहीं है। अमेरिकन मेटेरोलॉजिकल सोसायटी ने नवंबर 2016 में एक स्टडी की थी, जिसमें पता चला था कि मैराकाइबो झील में एक साल में 297 दिनों तक लगातार हर मिनट करीब 25 से 40 बार बिजली चमकती है। रोशनी इतनी अधिक होती है कि स्थानीय लोग पढ़ाई-लिखाई जैसे काम भी कर लेते हैं।

अफ्रीका के कांगो बेसिन के पास पहले यह दर्जा था। दुनिया की कई पहाड़ी और पानी वाली जगहों के बारे में दुनिया के देशों ने अलग-अलग अपने दावे किए हैं, लेकिन बिजली चमकने के मामले में वेनेजुएला की यह झील सबसे आगे है। सबसे पहले 16वीं सदी में एक स्पेनिश पर्यटक अमेरिको वेस्पकी ने इस जगह को खोजा था। स्थानीय लोग तब भी इस जगह के बारे में जानते थे, लेकिन डर की वजह से आसपास रहने से डरते थे।

स्थानीय लोगों का मानना था कि यह कुदरती नहीं है, बल्कि इसके पीछे भूत-प्रेत हैं। करीब 300 साल बाद यहां पर झील के किनारे-किनारे आबादी बसने लगी। झील को रहस्यमयी मानने वाले और डरने वाले लोगों के लिए यह रोजगार पैदा करने लगी है। अजीबोगरीब चीजों को देखने वाले पर्यटक यहां पर आने लगे। वह बिजली को चमकते हुए देखने के लिए आते हैं। यहां पर पर्यटक सितंबर से लेकर नवंबर के दौरान आते हैं। यहां पर बिजली पूरे दिन और पूरी रात चमकती है। यहां पर पर्यटक झील के किनारे बने छोटे-छोटे घरों में रहते हैं और इसका अनुभव करते हैं। आकाशीय बिजली गिरने के दौरान कई बार टूरिस्ट्स को खास सावधानी बरतनी होती है। लेकिन कई बार मछुआरे इसकी चपेट में आकर जान गंवा बैठते हैं।

एक मिनट मे कितनी बार चमकती है बिजली?

सन 2016 मे, अमेरिकन मेटेरोलॉजिकल सोसायटी ने एक स्टडी की और उस स्टडी में पाया गया कि मैराकाइबो झील में एक साल में लगभग 297 दिनों तक लगातार बिजली चमकती है और हर एक मिनट मे 25 से 40 बार बिजली चमकती है. इसी वजह से इस जगह को लाइटनिंग कैपिटल ऑफ वर्ल्ड का नाम दिया है. बिजली चमकने की रोशनी इतनी ज्यादा तेज होती है कि लोग रात के समय में उस रोशनी में पढ़ाई-लिखाई जैसे काम भी कर लेते हैं.

क्या भूत प्रेत है इसका कारण?

स्पेनिश सैलानी अमेरिको वेस्पकी ने 16वीं सदी में इस झील की खोज की. आपको बता दें कि लोकल लोग तब भी इस जगह के बारे में जानते थे, लेकिन डर के कारण कोई भी झील के आसपास नहीं जाता था. वहां के लोगों का यह मानना था कि ये कुदरती तो बिल्कुल भी नहीं है, बल्कि इसके पीछे भूत-प्रेतों का हाथ है. लगभग 3 सौ सालों के बाद इस झील के किनारे आबादी बसने लगी. जो लोग पहले इस झील को रहस्यमयी मान कर उससे डरते थे, अब वही झील उनके लिए रोजगार का जरिया बन गयी.

झील को देखने के लिए बढ़ा टूरिज्म

कुछ टूरिस्ट अजीबोगरीब जगह देखने के बहुत बड़े शौकीन होते हैं, वही टूरिस्ट यहां पर बिजली चमकना देखने के लिए आते हैं. यही कारण है कि इसे लाइटनिंग टूरिज्म कहा जाता है. टूरिस्ट सितंबर और नवंबर के समय में यहां आते हैं, ताकि बिजली को पूरे दिन और पूरी रात चमकते हुए देख सकें.

बिजली चमकने का कारण

कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि सालभर बिजली के चमकने का असली कारण नमी, तापमान और स्थान है. झील के दक्षिण की ओर एंडीज पर्वत है और उत्तर में कैरेबियन सागर है. सागर की तरफ से चलने वाली गर्म और नम हवा जब पर्वत की तरफ से चलने वाली ठंडी हवा से टकराती है, तो ये बिजली चमकती है. कुछ वैज्ञानिक इस थ्योरी से इंकार करते हैं और उनके अनुसार, लाखों सालों में इस झील का पानी और तली कई बार बदलावों से गुजरी है, जिसकी वजह से झील के तल में मीथेन गैस जमा हो गई. जब झील के तल में जमी मिथेन गैस ऊपर की तरफ उठकर वातावरण की गैस से मिलती है, तब बिजली चमकती है. अब भी वैज्ञानिक इसके रहस्य को समझने के लिए कई प्रयोग कर रहे हैं.

गैस सिलेंडर पर लिखे कोड का क्या होता है मतलब?

रसोई गैस सिलेंडर पर लिखा कोड, सिलेंडर की एक्सपायरी डेट और टेस्टिंग की तारीख बताता है। यह कोड अक्षर और नंबर के रूप में लिखा होता है। कोड में अक्षरों का मतलब महीना और नंबरों का मतलब साल होता है।

आपने कभी गौर किया है कि आपके घर में आने वाले गैस सिलेंडर पर कुछ अंक और अक्षर लिखे होते हैं? ये कोड यूं ही नहीं लिखे होते हैं, इनका एक खास मतलब होता है। ये कोड सिलेंडर की सुरक्षा और उसकी मरम्मत से जुड़ी जरूरी जानकारी देते हैं।

गैस सिलेंडर पर लिखे कोड का क्या होता है मतलब?

रसोई गैस सिलेंडर पर लिखा कोड, सिलेंडर की एक्सपायरी डेट और टेस्टिंग की तारीख बताता है। यह कोड अक्षर और नंबर के रूप में लिखा होता है। कोड में अक्षरों का मतलब महीना और नंबरों का मतलब साल होता है। अक्षरों के बाद लिखा नंबर सिलेंडर के एक्सपायर होने वाले साल के बारे में बताता है। जैसे, अगर आपके सिलेंडर पर C-23 लिखा है, तो इसका मतलब है कि आपका रसोई गैस सिलेंडर साल 2023 में जुलाई से सितंबर के बीच में एक्सपायर होगा। इसी तरह A-26 का मतलब है कि सिलेंडर की एक्सपायरी 2026 अप्रैल तक है। गैस सिलेंडर की अधिकतम लाइफ 15 साल होती है। इस दौरान गैस कंपनियां उस सिलेंडर की दो बार जांच करती हैं। पहला टेस्ट 5 साल पूरे होने पर और दूसरा टेस्ट 10 साल बाद किया जाता है। ये परीक्षण विवरण सिलेंडर के ऊपर भी लिखे होते हैं। अगर दोनों तिथियां बीत चुकी हैं, तो उस सिलेंडर को लेने से मना कर देना चाहिए। ऐसा न करने पर विस्फोट का खतरा बढ़ जाता है।

गैस सिलेंडर में एबीसीडी का मतलब क्या होता है?

- गैस सिलेंडर पर लिखे कोड में A, B, C और D का मतलब महीनों से होता है। इन अक्षरों को तीन-तीन महीनों में बांटा गया है।
- A का मतलब जनवरी, फरवरी और मार्च होता है।
- B का मतलब अप्रैल, मई और जून होता है।
- C का मतलब जुलाई, अगस्त और सितंबर होता है।
- D का मतलब अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर होता है।

इस कोड के साथ सिलेंडर पर साल भी लिखा होता है। जैसे, A-24, B-25, C-26 या D-27। इन कोड से यह पता चलता है कि सिलेंडर कब तक वैलिड है। अगर सिलेंडर पर A-24 लिखा है, तो इसका मतलब है कि यह साल 2024 में जनवरी से मार्च के बीच एक्सपायर हो जाएगा। इस तरह, सिलेंडर पर लिखे कोड से उसकी एक्सपायरी डेट का पता चलता है। गैस सिलेंडर पर ऊपर की तरफ तीन चौड़ी पट्टियां होती हैं। इनमें से एक पट्टी पर ही यह कोड लिखा होता है।

इन बातों पर ध्यान दे सकते हैं

- गैस सिलेंडर के कंधे वाले हिस्से पर गैस का नाम, निर्माता, वजन, दबाव, और आयतन के बारे में जानकारी होती है।
- सिलेंडर पर आपूर्तिकर्ता द्वारा लगाए गए लेबल से भी सिलेंडर की सामग्री का पता चलता है।
- कमर्शियल गैस सिलेंडर आमतौर पर घरेलू गैस सिलेंडर से बड़े होते हैं और इनका वजन भी ज्यादा होता है।
- घरेलू गैस सिलेंडर का वजन 14.2 किलो होता है, जबकि कमर्शियल गैस सिलेंडर का वजन 19 किलो से लेकर 47.5 किलो तक हो सकता है।
- कमर्शियल गैस सिलेंडर पाने के लिए, कमर्शियल गैस कनेक्शन के लिए आवेदन करना होता है। इसके लिए, कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर निकटतम वितरक का पता लगाया जा सकता है। फिर, आवेदन पत्र और जरूरी दस्तावेज जमा करने होते हैं और सुरक्षा जमा राशि का भुगतान करना होता है। इसके बाद, सदस्यता वाउचर और गैस उपभोक्ता कार्ड जारी किया जाता है।

ये है दुनिया का सबसे महंगा और लग्जरी होटल बुर्ज अल अरब

इस दुनिया में छोटी से लेकर बड़ी और सस्ती से लेकर महंगी हर तरह की चीज और जगह मौजूद है। कोई सामान खरीदना हो या फिर किसी जगह जाना हो। हर व्यक्ति का अपना एक बजट होता है इसके हिसाब से वह अपने सारे काम करता है। अलग-अलग बजट के लोगों के हिसाब से अलग-अलग जगह पर सब कुछ उपलब्ध भी होता है। जिन लोगों का बजट कम या मध्यम होता है वह सामान्य तरह की चीज करके खुश रहते हैं और जिनका बजट ज्यादा होता है वह हमेशा लग्जरी चीजें करना पसंद करते हैं। अब जब बात लग्जरी के निकल गई है तो क्या आपने कभी सोचा है कि दुनिया में सबसे महंगी और लग्जरी होटल कहां पर होगी।

लगभग हर शहर में छोटी से लेकर बड़ी होटल उपलब्ध रहती है। सामान्य होटल से लेकर 5 स्टार 7 स्टार हर व्यक्ति अपनी पसंद और हैसियत के हिसाब से इन जगहों पर जाता है। आज हम आपको दुनिया के सबसे महंगे और लग्जरी होटल के बारे में जानकारी देते हैं जो दुबई में मौजूद है।

बुर्ज अल अरब

दुबई एक ऐसी जगह है जो अपनी ऊंची ऊंची और लग्जरी इमारतों के लिए पहचाना जाता है। जब आप यहां पर जाएंगे तो गगनचुंबी इमारतें और यहां मिलने वाली लग्जरी सुविधाएं देख कर हैरान हो जाएंगे। दुनिया का सबसे लग्जरी और महंगा होटल बुर्ज अल अरब है जो दुबई में ही मौजूद है। दुनिया के सबसे महंगे और लग्जरी होटल के रूप में प्रसिद्ध बुर्ज अल अरब से आप समुद्र के बेहतरीन नजारे देख सकते हैं। इस होटल के हर कमरे से दूर तक फैला हुआ नीला समंदर दिखाई देता है। यहां आप रेस्टोरेंट, बार, स्पा,स्विमिंग पूल, फ़िटनेस सेंटर जैसी सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं।

चढ़ी है सोने की परत

यह बात किसी को भी हैरान कर सकती है। लेकिन इंटरनेट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक इस होटल के दरवाजे से लेकर हर खंबे पर सोने की परत चढ़ी हुई है। यही इस होटल को लग्जरी बनाने का काम करती है।

दुबई का आइकॉनिक लैंडमार्क

यह होटल 321 मीटर ऊंची है और समुद्र के अंदर 148 फीट तक गई है। इसका आकार भी काफी खास है और यह दुबई की सबसे आइकोनिक लैंडमार्क में से एक मानी जाती है। दूर से ही यह होटल काफी खूबसूरत नजर आती है। अंदर जाने के बाद यहां की लग्जरी सुविधाएं हैरान करने वाली होती है।

लाखों रुपए है रुकने का खर्च

यह होटल इतना आलीशान है कि यहां जाने के बाद आपको राजा महाराजाओं वाली फीलिंग आने वाली है। यहां एक दिन रुकने का किराया 20 लाख रुपए तक लगता है। लेकिन लाखों रुपए के किराए में आपको जो सुविधा मिलेगी। वो आप जिंदगी में कभी नहीं भूल पाएंगे।

पाकिस्तानी पीएम बोले- दुश्मन एक बूंद पानी नहीं छीन सकता

ऐसा सबक सिखाएंगे, जिंदगीभर याद रहेगा; 48 घंटे में 3 पाक नेताओं ने भारत को धमकाया

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सिंधु जल संधि को स्थगित करने पर भारत को धमकी दी है। शरीफ ने कहा कि भारत अगर पाकिस्तान की तरफ बहने वाला पानी रोकने की कोशिश करता है तो यह सिंधु जल संधि का उल्लंघन होगा। उन्होंने धमकी देते हुए कहा कि इसका जवाब निर्णायक तरीके से दिया जाएगा। पाकिस्तानी पीएम ने आगे कहा कि पानी पाकिस्तान की लाइफलाइन है और अंतरराष्ट्रीय समझौतों के तहत देश के अधिकारों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। शहबाज शरीफ से पहले पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो भारत को युद्ध की धमकी दे चुके हैं। सोमवार को दिए एक बयान में बिलावल ने कहा था कि अगर भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित रखा तो पाकिस्तान के पास जंग के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। भुट्टो ने दावा किया था कि पाकिस्तान के लोग

6 नदियों को वापस लेने के लिए जंग करने में सक्षम हैं। सिंधु जल समझौते के निलंबन को लेकर पिछले 48 घंटों में 3 पाकिस्तानी नेताओं ने भारत के खिलाफ धमकी भरे बयान दिए हैं। इनमें आर्मी चीफ आसिम मुनीर, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो शामिल हैं। सिंधु नदी प्रणाली में कुल 6 नदियां हैं- सिंधु, झेलम, चिनाब, रावी, ब्यास और सतलुज। इनके किनारे का इलाका करीब 11.2 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इसमें 47% जमीन पाकिस्तान, 39% जमीन भारत, 8% जमीन चीन और 6% जमीन अफगानिस्तान में है। इन सभी देशों के करीब 30 करोड़ लोग इन इलाकों में रहते हैं। 1947 में भारत और पाकिस्तान के बंटवारे के पहले से ही भारत के पंजाब और पाकिस्तान के सिंध प्रांत के बीच नदियों के पानी के बंटवारे का झगड़ा शुरू हो गया था। 1947 में भारत और पाक के इंजीनियरों के बीच 'स्टैंडस्टिल समझौता' हुआ। इसके तहत दो मुख्य नहरों से पाकिस्तान को पानी मिलता रहा। ये समझौता 31 मार्च 1948 तक चला। 1 अप्रैल 1948 को जब समझौता लागू नहीं रहा तो भारत ने दोनों नहरों का पानी रोक दिया। इससे पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की 17 लाख एकड़ जमीन पर खेती बर्बाद हो गई। दोबारा हुए समझौते में भारत पानी देने को राजी हो गया। इसके बाद 1951 से लेकर 1960 तक वर्ल्ड बैंक की मध्यस्थता में भारत पाकिस्तान में पानी के बंटवारे को लेकर बातचीत चली और आखिरकार 19 सितंबर 1960 को कराची में भारत के तत्कालीन ढट जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान के बीच दस्तखत हुए थे।

इसे इंडस वाटर ट्रीटी या सिंधु जल संधि कहा जाता है। भारत ने पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के दूसरे दिन 24 अप्रैल को पाकिस्तान के साथ 65 साल पुराना सिंधु जल समझौता रोक दिया था। इस आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे।

ब्रिटेन विदेशी अपराधियों को तुरंत डिपोर्ट करेगा

फैसले के खिलाफ अपील का वक्त नहीं मिलेगा; इन देशों में भारत शामिल, लिस्ट से पाकिस्तान बाहर

एजेंसी

लंदन, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने विदेशी अपराधियों के खिलाफ कड़ा कदम उठाया है। स्टार्मर ने पहले डिपोर्ट, फिर अपील नीति का ऐलान किया है। इसका मतलब यह है कि अब ब्रिटेन में अपराध करने पर प्रवासियों को तुरंत उनके देश वापस भेज दिया जाएगा। पहले इसके लिए अपील करने का वक्त मिलता था अब ऐसा नहीं होगा। अब वे अपने देश वापस जाने के बाद ही अपील कर सकेंगे। अब नई सूची में भारत, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश शामिल किए गए हैं, लेकिन पाकिस्तान को बाहर रखा गया है। जबकि कुछ माह पहले

कुख्यात ग्रूमिंग गैंग मामले में पाक नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। गृह मंत्री यवेट कूपर का कहना है कि हम अपने कानूनों का दुरुपयोग नहीं होने देंगे। अपराधी महीनों-बरसों अपील के नाम पर यहां नहीं रह सकते। पहले डिपोर्ट फिर अपील नीति के तहत आने वाले देशों में पहले नाइजीरिया, एस्टोनिया, फिनलैंड, अल्बानिया, बेलीज, मॉरीशस, तंजानिया व कोसोवो थे। अब नई सूची में भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, कनाडा, बुल्गारिया जैसे अहम देश भी हैं। इसके अलावा गुयाना, केन्या, लातविया को भी शामिल किया गया है। ब्रिटेन की जेलें इस समय 100% क्षमता पर चल रही हैं। यहां की जेलों में इस समय 10772 विदेशी कैदी हैं। इनमें 320 भारतीय शामिल हैं, जो तीसरे नंबर पर आते हैं। पाकिस्तानियों की संख्या भी 317 है। यहां की जेलों में एक कैदी पर सालाना 50 लाख रु. का खर्च आता है, जो टैक्सपेयर्स की जेब पर सीधा बोझ है। सरकार का मानना है कि पहले डिपोर्ट, फिर अपील नीति से जेलों में तुरंत जगह खाली होगी और खर्च घटेगा। विपक्ष का आरोप है कि पाक को लिस्ट से बाहर रखकर सरकार ने राजनीतिक दबाव में झुकने का काम किया है। विपक्षी पार्टी कंजरवेटिव के नेता क्रिस फिल्प ने इस फैसले को सरकार का यू-टर्न बताया है। उन्होंने कहा कि स्टार्मर सरकार सभी विदेशी अपराधियों को डिपोर्ट करने की बजाय कुछ देशों के लोगों को बचा रही है। सरकार का तर्क है कि लिस्ट में उन्हीं देशों को जोड़ा गया है,

जिनके साथ कानूनी और प्रशासनिक डिपोर्टेशन समझौते मौजूद हैं। विश्लेषकों का मानना है कि 22 देशों की सूची में पाकिस्तान को बाहर रखकर ब्रिटेन ने वहां के साथ सुरक्षा और आतंकवाद निरोधी सहयोग में मोल बढ़ाने की रणनीति अपनाई है।

ऑपरेशन सिंदूर में एफ-16 के नुकसान पर अमेरिका चुप

कहा- पाकिस्तान सरकार से बात करो; अमेरिकी कंपनी बनाती है एफ-16 फाइटर जेट

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिका ने भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के एफ-16 फाइटर जेट्स के नुकसान पर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि एफ-16 जेट्स के बारे में जानकारी के लिए पाकिस्तान सरकार से बात करें। दरअसल, एयरफोर्स चीफ एपी सिंह ने शनिवार को बताया था कि मई में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना ने जैकोबाबाद एयरपोर्ट पर एफ-16 रखने वाले हैंगर पर हमला किया था। इसमें आधा हैंगर तबाह हो गया था, जिससे उसमें मौजूद कुछ विमान भी डैमेज हुए होंगे। उन्होंने यह भी कहा था कि सुक्कुर में ड्रोन हैंगर और भोलारी में एक स्पेशल विमान हैंगर भी निशाना बनाया गया था। इन हमलों में कम से कम एक बड़ा विमान और कुछ एफ-16 के नुकसान का अनुमान है। अमेरिका की टेक्निकल सपोर्ट टीमें (टीएसटीएस) की टीमें पाकिस्तान में 24 घंटे तैनात रहती हैं और वहां के एफ-16 विमानों पर नजर रखती हैं। ये टीमें अमेरिका और पाकिस्तान के बीच हुए समझौतों के तहत काम करती हैं। लेकिन इस बार अमेरिका ने कोई साफ जवाब नहीं दिया। एफ-16 अमेरिका का एक मशहूर और शक्तिशाली फाइटर जेट

है, जिसे 1970 के दशक में जनरल डायनेमिक्स (लॉकहीड मार्टिन) ने बनाया था।

पाकिस्तान समेत 25 से ज्यादा देश इसका इस्तेमाल करते हैं। भारत ने 7 मई को रात डेढ़ बजे पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकियों के 9 ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की थी। सेना ने कहा था

कि इस स्ट्राइक में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए थे। पाकिस्तान के सरकारी मीडिया के मुताबिक, भारत ने कोटली, बहावलपुर, मुरीदके, बाग और मुजफ्फराबाद में अटैक किया थे। इसमें आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का हेडक्वॉर्टर और जैश-ए-मोहम्मद के मुखिया मसूद अजहर का ठिकाना भी शामिल था। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सेना के फाइटर जेट्स के नुकसान के दावों को नकार चुके हैं। उन्होंने शनिवार को कहा था कि भारतीय वायु सेना प्रमुख के दावे पर यकीन नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा था कि यह दुखद है कि भारतीय सेना के अफसरों को राजनीति की नाकामियों का जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। आसिफ ने दावा किया कि लड़ाई के दौरान बॉर्डर पर भारतीय सैनिकों को बहुत ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा।

उन्होंने कहा कि अगर सच का पता लगाना है, तो दोनों देशों को अपने विमान भंडार को स्वतंत्र जांच के लिए खोल देना चाहिए, लेकिन भारत ऐसा करेगा, इस पर उन्हें शक है। ख्वाजा आसिफ ने कहा कि झूठ गढ़ने से जंग नहीं जीती जा सकती।

मोदी अगले महीने अमेरिका जा सकते हैं

रिपोर्ट- यूएन महासभा की बैठक में हिस्सा लेंगे; टैरिफ विवाद के बीच ट्रम्प से मिल सकते हैं

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने अमेरिका के दौरे पर जा सकते हैं। वे संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) की सालाना बैठक में हिस्सा ले सकते हैं। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, मोदी का यह दौरा सितंबर के आखिरी हफ्ते में हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस दौरे का असली मकसद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मुलाकात कर व्यापार और टैरिफ से जुड़े विवाद सुलझाना है। इस दौरान दोनों नेता

एक ट्रेड डील का ऐलान भी कर सकते हैं। यूएनजीए में मोदी के भाषण के लिए 26 सितंबर का वक्त तय है। मोदी इस दौरान ट्रम्प और अन्य नेताओं से द्विपक्षीय मुलाकात कर सकते हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने भी कहा है

कि उनकी मोदी से मुलाकात सितंबर में यूएनजीए के दौरान हो सकती है। मोदी ने इससे पहले फरवरी 2025 में अमेरिका का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने व्हाइट हाउस में ट्रम्प से मुलाकात की थी। ट्रम्प ने टैरिफ मामले पर मोदी की तारीफ करते हुए उन्हें एक टफ नेगोशिएटर (मोल-भाव करने वाला) बताया था। उन्होंने पीएम मोदी को अपना दोस्त बताते हुए कहा था कि वे अच्छा काम कर रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत पर 6 अगस्त को 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने का ऐलान किया। उन्होंने इससे जुड़े एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन किए। यह आदेश 27 अगस्त से लागू होगा। एग्जीक्यूटिव ऑर्डर में कहा गया है कि रूसी तेल खरीद की वजह से भारत पर यह एक्शन लिया गया है। इससे पहले उन्होंने 30 जुलाई को भारत पर 25% टैरिफ का ऐलान किया था। अब भारत पर कुल 50% टैरिफ लगेगा। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस कार्रवाई को गलत बताया है।

देशभर के एम्स से डॉक्टरों का हो रहा पलायन, 2 साल में 429 ने दिया इस्तीफा

एजेंसी

दिल्ली एम्स समेत सभी 20 एम्स में लगभग हर तीन में से एक फैकल्टी का पद खाली पड़ा है। हाल ही में, सरकार ने संसद को एक अन्य प्रश्न के उत्तर में बताया कि नए एम्स में प्रोफेसर, अतिरिक्त प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर के स्तर पर राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों और सरकारी मेडिकल कॉलेजों से सेवानिवृत्त फैकल्टी सदस्यों को 70 वर्ष तक की अवधि के लिए अनुबंध के आधार पर नियुक्त करने का प्रावधान किया गया है।

देश भर के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) से डॉक्टरों का पलायन हो रहा है और 2022 से 2024 तक 20 संस्थानों से 429 डॉक्टर इस्तीफा दे चुके हैं। सरकार द्वारा संसद में साझा किए गए आंकड़ों से पता चला है। सरकार डॉक्टरों द्वारा एम्स छोड़कर निजी नौकरियों में जाने के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रही थी। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव द्वारा राज्यसभा में प्रस्तुत आंकड़ों से पता चलता है कि ये इस्तीफे 2022 और 2024 के बीच हुए। इन इस्तीफे के कारणों में व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों कारक शामिल हैं। हालाँकि मंत्रालय ने विशिष्ट कारणों का विवरण नहीं दिया है या इस घटना पर कोई व्यापक राष्ट्रव्यापी अध्ययन नहीं किया है। आंकड़ों से पता चला है कि सबसे ज्यादा 52 डॉक्टरों ने एम्स दिल्ली से इस्तीफा दिया, जो कि मूल संस्थान है और सभी एम्स में सबसे प्रतिष्ठित है। इसके बाद एम्स ऋषिकेश में 38, एम्स रायपुर में 35, एम्स बिलासपुर में 32 और एम्स मंगलगिरी में 30 डॉक्टरों ने इस्तीफा दिया। ये इस्तीफे ऐसे समय में आए हैं।

जब ज्यादातर एम्स फैकल्टी/डॉक्टरों की कमी से जूझ रहे हैं। दिल्ली एम्स समेत सभी 20 एम्स में लगभग हर तीन में से एक फैकल्टी का पद खाली पड़ा है। हाल ही में, सरकार ने संसद को एक अन्य प्रश्न के उत्तर में बताया कि नए एम्स में प्रोफेसर, अतिरिक्त प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर के स्तर पर राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों और सरकारी मेडिकल कॉलेजों से सेवानिवृत्त फैकल्टी सदस्यों को 70 वर्ष तक की अवधि के लिए अनुबंध के आधार पर नियुक्त करने का प्रावधान किया गया है। अन्य उल्लेखनीय आंकड़ों में एम्स भोपाल (27), और एम्स जोधपुर (25) शामिल हैं। नए एम्स संस्थान भी इससे अछूते नहीं रहे। पश्चिम बंगाल स्थित एम्स कल्याणी ने 22 संकाय सदस्यों को खो दिया, जबकि पंजाब स्थित एम्स भटिंडा ने भी इतनी ही संख्या में संकाय सदस्यों को खोया। मदुरै, विजयपुर और गुवाहाटी जैसे कई छोटे एम्स परिसरों में भी, हालांकि कम पैमाने पर, संकाय सदस्यों का पलायन हुआ।

धूल चेहरे पर थी और आप आईना साफ करते रहे...

राहुल पर भाजपा का तंज, कहा- हर हार के बाद नए बहाने ढूंढती है

अनुराग ठाकुर ने कहा कि 1952 से अगर हम शुरूआत करें तो, कांग्रेस और सीपीआई ने मिलकर संविधान निमार्ता, एक संत जैसे नेता डॉ. भीमराव अंबेडकर जी को चुनाव हरवाया। चुनावी भ्रष्टाचार की नींव कांग्रेस ने पहले चुनाव 1952 में ही रख दी थी।

एजेंसी

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के वोट चोरी के दावे पर कटाक्ष करते हुए कहा कि हर हार के बाद कांग्रेस नए बहाने ढूंढती रहती है। उन्होंने कहा कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव हारते देख कांग्रेस अन्य विपक्षी दलों के साथ मिलकर झूठे आरोप लगाने में जुट गई है। ठाकुर ने भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अगर किसी के नेतृत्व में 90 बार चुनाव हारने का रिकॉर्ड है, तो वह राहुल गांधी के नेतृत्व में है। पार्टी के भीतर भी राहुल गांधी के नेतृत्व पर सवाल उठते हैं। अपना

हमला जारी रखते हुए ठाकुर ने कहा कि जब वे चुनाव हार जाते हैं, तो कभी ईवीएम पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करते हैं, या वोटर्स पर ठीकरा फोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पहले कहा कि ईवीएम मशीन के साथ हेराफेरी होती है, ईवीएम बैन करो, बैलेट पेपर लाओ। फिर कहा ईवीएम को रिमोटली हैक किया जा सकता है। फिर कहा वीवीपैट 100 प्रतिशत चेक सुनिश्चित करो। कांग्रेस ने आत्मचिंतन नहीं किया, लेकिन ईवीएम से लेकर संवैधानिक संस्थाओं तक पर आरोप लगाते रही। अब बिहार चुनाव हारता हुआ देख पहले ही विपक्षी दलों के साथ मिलकर झूठे आरोप लगाने में जुटी है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि 1952 से अगर हम शुरूआत करें तो, कांग्रेस और सीपीआई ने मिलकर संविधान निमार्ता, एक संत जैसे नेता डॉ. भीमराव अंबेडकर जी को चुनाव हरवाया। चुनावी भ्रष्टाचार की नींव कांग्रेस ने पहले चुनाव 1952 में ही रख दी थी। उन्होंने कहा कि आप रिकॉर्ड चेक कीजिए, 74,333 वोट खारिज किए गए जबकि अंबेडकर जी मात्र 14,561 वोट से हारे थे। कांग्रेस ने तो संविधान निमार्ता, एक दलित नेता को पहले चुनाव में ही निपटाने का काम किया। आप कल्पना कीजिए, जिन्होंने संविधान बनाया था, उसी को कांग्रेस परिवार ने चुनाव में धांधली कर हरा दिया। उन्होंने कहा कि अगर आप रिकॉर्ड देखें, तो उन्होंने 74,333 वोट रद्द कर दिए, जबकि वह सिर्फ. 14,561 वोटों से हारे। कांग्रेस ने संविधान निमार्ता के साथ ही धोखाधड़ी की। यह वोट भ्रष्टाचार का एक स्पष्ट उदाहरण है। भाजपा नेता ने कहा कि इस परिवार और पार्टी का शुरू से चलन रहा है कि चुनाव हारते हो तो चुनाव आयोग पर, मतदाताओं पर या चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली पर प्रश्न चिन्ह खड़ा कर दो।

कांग्रेस ने वोट चोरी पर वीडियो जारी किया, चुनाव आयोग को इलेक्शन चोरी आयोग बताया

कर्नाटक में बेंगलुरु मध्य लोकसभा सीट के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में एक लाख से अधिक मतों की चोरी की गई, जबकि इस संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार को 32 हजार वोटों के अंतर से हार का सामना करना पड़ा।

एजेंसी

कांग्रेस ने मतदाता सूचियों में कथित धांधली के खिलाफ अपने अभियान को तेज करते हुए बुधवार को एक वीडियो जारी कर लोगों से इससे जुड़ने की अपील की और चुनाव आयोग को इलेक्शन चोरी आयोग करार दिया। मुख्य विपक्षी दल ने अपने विभिन्न सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से जो एक मिनट का वीडियो जारी है उसमें दिखाया गया कि दो लोग एक मतदान केंद्र से बाहर निकलते हैं और वहां पहुंचे एक बुजुर्ग पुरुष और एक महिला से कहते हैं वे वापस चले जाएं क्योंकि वो उनका वोट पहले ही डाल चुके हैं। इस वीडियो में चुनाव आयोग के लिए इलेक्शन चोरी आयोग लिखा गया

है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक वीडियो साझा करते हुए एक्स पर पोस्ट किया, मत छीनने दीजिए अपना वोट का अधिकार, सवाल कीजिए, जवाब मांगिए, इस बार। वोट चोरी के खिलाफ आवाज उठाइए, संवैधानिक संस्थानों को भाजपा के चंगुल से छुड़ाइए। पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी ने भी यह वीडियो साझा कर लोगों से कांग्रेस के अभियान के साथ जुड़ने की अपील की। पिछले बृहस्पतिवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 2024 के लोकसभा चुनाव के आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया था कि कर्नाटक में बेंगलुरु मध्य लोकसभा सीट के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में एक लाख से अधिक मतों की चोरी की गई

हमें इंसानों की रक्षा करनी होगी : शशि थरूर

आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर क्या बोले शशि थरूर

एक्स पर एक पोस्ट में थरूर ने कहा कि चुनौती संसाधनों की कमी नहीं है, बल्कि स्थानीय निकायों की नसबंदी और आश्रय के प्रयासों को करने में अनिच्छा या असमर्थता है तब भी जब उन्हें आवश्यक धनराशि प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आवंटन अक्सर खर्च ही नहीं होते या जहाँ उनकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है, वहाँ इस्तेमाल नहीं किए जाते।

एजेंसी

कांग्रेस नेता शशि थरूर ने आवारा कुत्तों के प्रबंधन के लिए निर्धारित धनराशि के उपयोग पर पुनर्विचार करने का आह्वान किया है, तथा सुझाव दिया है कि इसे नगर पालिकाओं के बजाय सीधे विश्वसनीय पशु कल्याण संगठनों को दिया जाना चाहिए। एक्स पर एक पोस्ट में थरूर ने कहा कि चुनौती संसाधनों की कमी नहीं है, बल्कि स्थानीय निकायों की नसबंदी और आश्रय के प्रयासों को करने में अनिच्छा या असमर्थता है तब भी जब उन्हें आवश्यक धनराशि प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आवंटन अक्सर खर्च ही नहीं होते या जहाँ

उनकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है, वहाँ इस्तेमाल नहीं किए जाते। इसके बजाय, उन्होंने प्रस्ताव दिया कि यह धन उन गैर-सरकारी संगठनों और पशु कल्याण समूहों को दिया जाए जिनका आश्रय स्थल चलाने और पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) कार्यक्रम लागू करने का सिद्ध रिकॉर्ड हो। उनका तर्क था कि वे बेहतर परिणाम देने की स्थिति में हैं। थरूर ने सार्वजनिक सुरक्षा और कुत्तों के साथ मानवीय व्यवहार के बीच संतुलन बनाने के महत्व पर जोर दिया और सुप्रीम कोर्ट के हालिया हस्तक्षेप को नगर निगम की निष्क्रियता पर समझ में आने वाली खीझ का नतीजा बताया। उनकी यह टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट द्वारा 11 अगस्त को कुत्तों के काटने की घटनाओं में वृद्धि को बेहद गंभीर स्थिति बताते हुए और दिल्ली-एनसीआर में सभी आवारा कुत्तों को जल्द से जल्द स्थायी रूप से स्थानांतरित करने के आदेश देने के बाद आई है। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने दिल्ली के अधिकारियों को छह से आठ हफ़्तों के भीतर लगभग 5,000 कुत्तों के लिए आश्रय स्थल बनाने का भी निर्देश दिया, जिनका चरणबद्ध तरीके से विस्तार किया जाएगा। अदालत ने चेतावनी दी कि पुनर्वास अभियान में किसी भी तरह की बाधा डालने पर व्यक्तियों या संगठनों के खिलाफ अवमानना ??की कार्यवाही हो सकती है।